लखनऊ

बुधवार, 11 मार्च, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 199

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

"शब्दों में इतनी शक्ति होती है कि वे दिल जोड़ भी सकते हैं और एक पल में तोड़ भी सकते हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 21° Low

संक्षेप

प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंध, इस स्टार क्रिकेटर पर पत्नी ने लगाए गंभीर आरोप

कानपुर। कानपुर से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अमित मिश्रा और उनके परिवार के खिलाफ उनकी पत्नी गरिमा तिवारी ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाते हुए अदालत में नया मुकदमा दायर किया है। जानकारी के मुताबिक, 9 मार्च 2026 को गरिमा तिवारी ने न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट में शिकायत दाखिल की। शिकायत में उन्होंने पति अमित मिश्रा और उनके परिवार पर लगातार मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट और अवैध संबंधों के आरोप लगाए हैं। गरिमा तिवारी, जो कानपुर के बिरहाना रोड की निवासी और पूर्व मॉडल हैं, का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने कानूनी कार्रवाई की है। इससे पहले भी उन्होंने कानपुर पुलिस कमिश्नर और फिलखाना थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पिछले एक वर्ष से कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा। गरिमा का आरोप है कि अमित मिश्रा की पहुंच और प्रभाव के कारण पुलिस स्तर पर उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले में घरेलू हिंसा का मुकदमा दर्ज करते हुए आरोपी पक्ष को नोटिस जारी कर दिया है। गरिमा तिवारी ने अपनी शिकायत में बताया कि उनकी मुलाकात वर्ष 2020 में इंस्टाग्राम के जरिए अमित मिश्रा से हुई थी। बातचीत बढ़ने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और कुछ महीनों बाद अमित ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया। परिवार की सहमति से 26 अप्रैल 2021 को कानपुर क्लब में दोनों की शादी हुई। हालांकि गरिमा का आरोप है कि सगाई के बाद से ही अमित और उनके परिवार ने लग्जरी कार और अन्य महंगे सामान की मांग करते हुए दबाव बनाना शुरू कर दिया था।

आतंकी गतिविधियों में संलिप्त तीन कर्मचारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार ने किया बर्खास्त

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने जलशक्ति विभाग से जुड़े तीन कर्मचारियों को राष्ट्र-विरोधी और आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता पाए जाने के बाद बर्खास्त कर दिया है। जम्मू-कश्मीर सरकार के जलशक्ति विभाग द्वारा जारी आदेश में बताया गया कि अनंतनाग जिले के बिजबेहरा निवासी अस्थायी कर्मचारी शौकत अहमद जरगर पर कार्रवाई की गई है। 2019 में दर्ज मामले में संलिप्तता के कारण शौकत अहमद को सेवामुक्त किया गया है। कथित आतंकवादी गतिविधियों और साजिश से संबंधित इस मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद वर्तमान में सुनवाई चल रही है। अलग आदेशों में सरकार ने किश्तवाड़ जिले के अस्थायी कर्मचारी लियाकत अली भगवान और कौसर हुसैन भगवान को भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण सेवामुक्त कर दिया है। इन पर यूएपीए के तहत आरोप दायर किए गए हैं, जिसमें चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है और मामला विचाराधीन है। सेवा समाप्ति के आदेशों में कहा गया है कि यह कार्रवाई प्रशासन के हित में की गई है। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 9 मार्च को शोपियां में बड़ी कार्रवाई करते हुए ड्रग्स के अवैध कारोबार से अर्जित की गई।

लोकसभा में गौरव गोगोई का वार, अमित शाह का पलटवार- इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष नहीं देखा

'कुछ सदस्य खुद को ज्यादा ज्ञानी समझते हैं', लोकसभा में किरेन रिजिजू ने विपक्ष को लिया आड़े हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू होते ही, कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें उस मंत्री के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। यह गोगोई के संबोधन के दौरान रिजिजू के उस बयान के जवाब में था, जिसमें उन्होंने कहा था कि विपक्षी सांसदों ने असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया और वे इसका जवाब देंगे।

इसके बाद कांग्रेस सांसद ने कहा कि भविष्य में जब संसदीय अभिलेखों और प्रतिलेखों का अध्ययन किया जाएगा, तो आंकड़े बताएंगे कि किरेन रिजिजू ही वह संसदीय कार्य मंत्री थे जिन्होंने विपक्ष को सबसे ज्यादा बार बाधित किया। रिजिजू का बचाव करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोर देकर कहा कि इस तरह की बाधाएँ तभी आवश्यक होती हैं जब कोई संसदीय नियमों का पालन नहीं करता है, और उन्होंने संसदीय कार्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल का उदाहरण दिया। शाह ने कहा कि मैं सहमत हूँ, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू जी ने सबसे ज़्यादा व्यवधान डाला है। लेकिन हमने इतना गैर-जिम्मेदार विपक्ष भी कभी नहीं देखा। जिसका मतलब था कि व्यवधान विपक्ष द्वारा सदन के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने के कारण थे। अपने संबोधन में, गोगोई ने यह भी कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा के लिए लाया गया है, न कि किसी व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए।

निचले सदन को संबोधित करते हुए गोगोई ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन की गरिमा की रक्षा करने की जिम्मेदारी के रूप में लाया गया है, न कि व्यक्तिगत रूप से ओम बिरला के खिलाफ। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने आज सुबह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। 50 से अधिक सांसदों ने प्रस्ताव के पक्ष में खड़े होकर, अध्यक्ष पद पर बैठी भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कांग्रेस सांसद को अवकाश दिया।

संसद के बजट सत्र में घमासान, गेट पर बैनर तो सदन के अंदर जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट सत्र के दूसरे चरण के दूसरे दिन, मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने संसद के प्रवेश द्वार मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके के खिलाफ नारे लगाए। उन्हें पोस्टर और एक बैनर पकड़े देखा गया जिस पर लिखा था 'प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं'। बैनर पर प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ तस्वीरें थीं। प्रदर्शनकारियों में वे सांसद भी शामिल थे जिन्हें बजट सत्र के पहले चरण में अव्यवस्थित व्यवहार के कारण सत्र के शेष भाग के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था। इस बीच, दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने पर, भाजपा सांसद संध्या राय ने लोकसभा में सत्र की अध्यक्षता की और संसद के उच्च सदन में अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने सत्र की अध्यक्षता की। विपक्षी सदस्यों ने सदन के वेल से तख्तियां प्रदर्शित कीं और नारे लगाए। एक दिन पहले, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर चर्चा से बचने का आरोप सरकार पर लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार संसद में पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा करने को तैयार नहीं है, क्योंकि इससे यह उजागर हो जाएगा कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका और इज़राइल के हाथों किस तरह 'समझौते' बना चुके हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति जनता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है, क्योंकि वहां के संघर्ष से तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है।

तिरुचिरापल्ली दौरे से पहले पीएम मोदी का डीएमके पर वार, एनडीए की लोकप्रियता से घबराई सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को बताया कि वे 11 मार्च को तिरुचिरापल्ली में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के लोग डीएमके के कुशासन और अधूरे वादों को भांपते हुए एनडीए के आशा और प्रगति के एजेंडे से जुड़ रहे हैं। एक पोस्ट में प्रधानमंत्री ने कहा कि डीएमके राज्य भर में एनडीए की बढ़ती लोकप्रियता से साफ तौर पर घबरा गई है।

पीएम मोदी ने पोस्ट में लिखा कि कल, 11 मार्च को शाम करीब 6:30 बजे, मैं तिरुचिरापल्ली में एनडीए की रैली में तमिलनाडु के एनडीए नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। डीएमके राज्य भर में एनडीए की बढ़ती लोकप्रियता से साफ तौर पर घबरा गई है। तमिलनाडु के लोगों ने डीएमके के कुशासन और अधूरे वादों को भांप लिया है। इसीलिए वे एनडीए के आशा और प्रगति के एजेंडे से जुड़ रहे हैं। एनडीए की संयुक्त रैली को संबोधित करने के अलावा, प्रधानमंत्री तिरुचिरापल्ली में लगभग 5,650 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे, आधारशिला रखेंगे और हरी झंडी दिखाएंगे। ये परियोजनाएं पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस अवसंरचना, स्नेहक निर्माण, ग्रामीण संपर्क, राजमार्ग विकास और रेलवे सेवाओं सहित प्रमुख क्षेत्रों को कवर करती हैं।

पेट्रोलियम क्षेत्र में, प्रधानमंत्री नीलगिरी और इरोड जिलों में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के 3,680 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से निर्मित सिटी गैस वितरण नेटवर्क की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना से 8.8 लाख से अधिक घरों को पीएनजी कनेक्शन मिलेंगे, 200 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को गैस की आपूर्ति होगी और 201 से अधिक सीएनजी स्टेशन स्थापित होंगे। प्रधानमंत्री चेन्नई के मनाली में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के 672 हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। लगभग 1,490 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित यह संयंत्र भारत की स्नेहक निर्माण क्षमता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत, प्रधानमंत्री तमिलनाडु में 370 किलोमीटर लंबी 89 ग्रामीण सड़कों का उद्घाटन करेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में बाजारों, स्कूलों और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार होगा। प्रधानमंत्री एनएच-81 पर गंगईकोंडा चोलपुरम के पास ग्रीनफील्ड बाईपास की आधारशिला रखेंगे।

ममता बनर्जी बोलीं- किसी की धमकी बर्दाश्त नहीं करेंगे, ज्ञानेश कुमार ने आरोपों पर दी सफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के मुद्दे पर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए उन्हें चेतावनी दी है कि वह अपनी सीमा से बाहर न जाएं। इसके जवाब में निर्वाचन आयोग ने कहा है कि राज्य में किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं हटाया जाएगा और आयोग का लक्ष्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना है।

कोलकाता के एस्प्लानेड स्थित मेट्रो चैनल पर धरने के दौरान ममता बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर कटाक्ष करते हुए कहा कि साहस होना अच्छी बात है, लेकिन दुस्साहस के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए हुई बैठक में राज्य के अधिकारियों को धमकाया गया। ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि बैठक में अधिकारियों को यह कहा गया कि अभी ही नहीं बल्कि मई के बाद भी उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पहले अपनी कुर्सी बचाइए, फिर बंगाल के अधिकारियों और लोगों को धमकाइए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त पर व्यंग्य करते हुए यह भी कहा कि वह खुद को किसी काल्पनिक नायक की तरह समझ रहे हैं और ऐसे लोग लोकतंत्र को कमजोर करते हैं। कालीघाट मंदिर की उनकी यात्रा का जिक्र करते हुए ममता ने कहा कि मंदिर जाते समय कोई लगभग फिसल गया था, शायद यह संकेत है कि देवी मां भी वैध मतदाताओं के नाम हटाए जाने से खुश नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए गए हैं और इसमें हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोगों को प्रभावित किया गया है।

'न्यायिक अधिकारियों के काम में बाधा न हो', सुप्रीम कोर्ट ने दिए बंगाल सरकार और चुनाव आयोग को निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग से कहा है कि न्यायिक अधिकारियों को अपना काम सुचारू रूप से करने के लिए उचित और निर्बाध परिस्थितियां उपलब्ध कराई जाएं।

तीन जजों की पीठ, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस आर. महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची शामिल थे, ने कहा कि SIR प्रक्रिया में तैनात न्यायिक अधिकारियों ने अब तक मतदाता सूची से हटाए जाने के खतरे का सामना कर रहे लोगों की 10.16 लाख आपत्तियों और दावों पर सुनवाई की है।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि SIR प्रक्रिया में कोई भी नया

अनिवार्य कदम तब तक लागू न किया जाए, जब तक उसे कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की मंजूरी न मिल जाए। साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि चुनाव आयोग के पोर्टल में आने वाली तकनीकी दिक्कतों को तुरंत दूर किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि आगे ऐसी समस्याएं न हों। कोर्ट ने यह भी कहा कि न्यायिक अधिकारियों के लिए नए लॉग-इन आईडी जल्द बनाए जाएं, ताकि मतदाता सूची के संशोधन का काम बिना बाधा जारी रह सके। साथ ही स्पष्ट किया कि न्यायिक अधिकारियों के फैसलों की समीक्षा चुनाव आयोग के किसी प्रशासनिक अधिकारी द्वारा नहीं की जा सकती।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अपीलों की सुनवाई के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीशों और हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की एक पीठ गठित कर सकते हैं। अदालत ने चुनाव आयोग को इस संबंध में अपीलीय प्राधिकरण बनाने के लिए अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट यह सुनवाई पश्चिम बंगाल में जारी SIR प्रक्रिया से जुड़े कई याचिकाओं के समूह पर कर रहा था।

'UCC लागू करने का सही समय', सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को समान नागरिक संहिता (UCC) पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में अब इस विषय पर लंबित से विचार करने का समय आ गया है। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शरीयत कानून की धाराओं को रद्द करने जैसे संवेदनशील मुद्दे पर अंतिम फैसला लेना विधायिका का अधिकार क्षेत्र है। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने की, जिसमें जॉयमाल्या बागची और आर. महादेवन भी शामिल थे। पीठ 1937 के मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 की कुछ धाराओं को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इन्हें मुस्लिम महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण बताया गया है।

एलपीजी संकट पर केजरीवाल का बड़ा हमला, पीएम मोदी, ट्रंप के आगे झुके, देश चुका रहा कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष से भू-राजनीतिक उथल-पुथल जारी है, जिससे वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है। इसी बीच, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को दावा किया कि देशभर में कई प्रतिष्ठानों को एलपीजी की आपूर्ति रोक दी गई है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपने मजबूरी के चलते ट्रम्प के सामने झुकने का आरोप लगाया। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के हालिया बयान के जवाब में एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि देश भर में, शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर, अन्य सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को एलपीजी गैस की आपूर्ति रोक दी गई है। गैस केवल घरेलू उपयोग के लिए ही उपलब्ध कराई जाएगी। आने वाले दिनों में गैस और तेल की स्थिति और भी खराब होने की संभावना है।

पोस्ट में आगे लिखा था कि अपनी कुछ मजबूरियों के चलते मोदी जी ट्रंप के सामने झुक रहे हैं। क्या आज देश इसकी कीमत चुका रहा है? यह घटना पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तेल रिफाइनरियों को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के आदेश जारी करने और अतिरिक्त उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए निर्देशित करने के एक दिन बाद हुई है। पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक तेल और ऊर्जा बाजार में जारी अनिश्चितता के बीच नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने घरों में एलपीजी की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने X पर घोषणा की कि ईंधन आपूर्ति में मौजूदा भू-राजनीतिक व्यवधानों और एलपीजी की आपूर्ति पर लगे प्रतिबंधों को देखते हुए, मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को एलपीजी का अधिक उत्पादन करने और अतिरिक्त उत्पादन को घरेलू उपयोग के लिए इस्तेमाल करने के आदेश जारी किए हैं। मौजूदा आपूर्ति व्यवस्था को प्रबंधित करने के लिए, मंत्रालय ने उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन की इंटर-बुकिंग अवधि शुरू की है ताकि जमाखोरी और कालाबाजारी को रोका जा सके।

प्रियंका चतुर्वेदी का मोदी सरकार पर हमला, बोलीं- बड़ी बातें बहुत हुईं, आम आदमी परेशान है

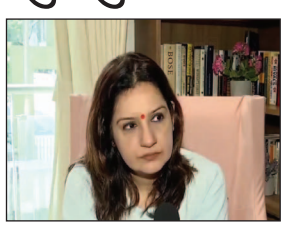

नई दिल्ली, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को व्यावसायिक सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करती है, जबकि आम लोग लगातार कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। भारत सरकार ने पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पादों तथा प्राकृतिक गैस की उपलब्धता, आपूर्ति और समान वितरण को विनियमित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 लागू किया।

यह निर्णय हाल ही में हुए भू-राजनीतिक व्यवधानों के बाद लिया गया, जिससे वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई थी। चतुर्वेदी ने सरकार की आलोचना करते हुए गैस की कीमतों में हाल ही में हुई वृद्धि की ओर भी इशारा किया। उन्होंने एएनआई को बताया कि संसद के प्रश्नकाल के दौरान हमसे झूठ बोला गया। हमें बताया गया था कि हमारे पास पर्याप्त भंडार है। आज की स्थिति दर्शाती है कि यह सरकार ईश्वर की कृपा से चल रही है। ये लोग सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें करते हैं जबकि आम जनता को ही परेशानी झेलनी पड़ रही है। एक हफ्ते के भीतर ही आपने पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दीं, जबकि आपने कहा था कि हम नागरिकों पर बोझ नहीं डालेंगे, लेकिन आपने सबसे पहले वही किया। संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसदीय चर्चा न कराने के लिए सरकार की कड़ी आलोचना की। तिवारी ने कहा कि हमने कल स्थगन प्रस्ताव पेश किया था क्योंकि पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध का भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। सरकार ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतें बढ़ा दी हैं और बेंगलुरु, मुंबई और अन्य जगहों पर खाना पकाने की गैस की कमी है। कल हम बस इसी पर चर्चा करना चाहते थे। युद्ध अभी शुरू ही हुआ है और अगर यह लंबे समय तक चलता है, तो भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर इसका क्या असर होगा? पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने तेल रिफाइनरियों को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के आदेश जारी किए हैं और निर्देश दिया है कि अतिरिक्त उत्पादन को विशेष रूप से घरेलू उपयोग के लिए ही इस्तेमाल किया जाए। यह निर्णय हाल ही में हुए भू-राजनीतिक व्यवधानों के बाद लिया गया है, जिन्होंने वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव पैदा किया है।

युद्ध की तपिश से झुलस रहा देश का निर्यात कारोबार, 40 से 45 हजार कंटेनर बीच राह अटके, आर्थिक मार का खतरा

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। पश्चिम एशिया युद्ध की तपिश से भारतीय निर्यात झुलसने लगा है। मुरादाबाद का पीतल हस्तशिल्प ही नहीं, चावल निर्यात भी बुरी तरह प्रभावित है। मुरादाबाद के अलावा नजदीकी जिलों और पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बड़ी मात्रा में चावल विदेशों में निर्यात किया जाता है। युद्ध से प्रभावित देशों में भारतीय चावल और मुरादाबाद-संभल के हस्तशिल्प उत्पादों की खासी मांग रहती है। जानकार बताते हैं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर माहौल प्रभावित होने से अब तक देश का करीब दो हजार करोड़ रुपये का निर्यात प्रभावित हो चुका है। दरअसल भारत से सऊदी अरब सहित सभी मध्य पूर्व देशों में

जाने वाला माल रास्ते में फंस गया है। शिपिंग कंपनियों के माध्यम से जाने वाले कंटेनर निकल नहीं पा रहे। अनुमान है कि करीब 40 से 45 हजार कंटेनर रास्ते में अटक गए हैं। इससे निर्यात लागत में करीब पांच गुना का इजाफा हो गया है।

शिपिंग कंपनियों द्वारा फंसे माल का अतिरिक्त चार्ज मांगने या कंटेनर खाली करने की शर्त रखी जा रही है।

एक मोटे अनुमान के मुताबिक पश्चिम एशिया युद्ध के कारण 45000 कंटेनर अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों और ट्रांजिट मार्गों में फंसे हुए हैं। इससे निर्यात लागत में भारी वृद्धि हुई है। साथ ही सप्लाई की चेन प्रभावित है। सामान्य दिनों में 800 से 1500 डॉलर प्रति कंटेनर का खर्च आता था। अब 3000 से 5000 डॉलर तक अतिरिक्त सरचार्ज झेलना पड़ रहा है। मुद्दा केवल लागत बढ़ने का नहीं है, बल्कि भारत की वैश्विक विश्वसनीयता और समयबद्ध आपूर्ति क्षमता पर भी असर है। हमारे कई निर्यातक विशेषकर एमएसएमई सेक्टर वाले उद्यमी भारी दबाव में हैं। सरकार और शिपिंग लाइनों से राहत उपायों की अपेक्षा है।

- नवेद उर रहमान, अध्यक्ष मेटल हैंडीक्राफ्ट एक्सपोर्ट एसोसिएशन

इससे निर्यातकों व उद्यमियों पर और बड़ी आर्थिक मार का खतरा बढ़ गया है। जानकार बताते हैं कि भारत से दुनिया के करीब 137 देशों को बासमती चावल का निर्यात होता है।

लगभग सौ से अधिक देशों में मुरादाबाद के पीतल व मेटल उत्पाद, संभल के हड्डी-सींग व लकड़ी उत्पादों की भी सप्लाई है। चावल के मामले में पश्चिमी यूपी ही नहीं हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्य इन दिनों प्रभावित हैं। निर्यातकों का कहना है कि जल्द हालात नहीं सुधरे तो मुरादाबाद समेत पश्चिमी यूपी और कई राज्यों की निर्यात चेन और बुरी तरह प्रभावित होगी।

एक मार्च से ही देश के सभी बंदरगाहों से निर्यात ठप है। शिपिंग कंपनियों ने माल भेजना बंद कर दिया है। जो माल फरवरी में भेजा गया था और रास्ते में है, उसे सुरक्षित रखने और वापसी के लिए भी कंपनियां अतिरिक्त खर्च मांग रही हैं। जो माल बंदरगाहों पर कंटेनरों में लोड हो चुका है, उसके लिए कंपनियों का दबाव है कि कंटेनरों को खाली करें या अलग से भुगतान करें। संभल से हड्डी-सींग, लकड़ी के उत्पाद निर्यात किए जाते हैं। चावल और मेंथा का भी निर्यात है। इस माल की सप्लाई रास्ते में अटक जाने से निर्यातकों और उद्यमियों को काफी नुकसान की आशंका है।

- कमल कौशल वार्ष्णेय, मंडलीय सचिव, इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन मुरादाबाद

एक मार्च से ही दुनिया के किसी भी देश में भारतीय चावल नहीं जा पा रहा है। इस समय करीब दो लाख टन बासमती चावल जिसकी कीमत करीब 1700-1800 करोड़ रुपये है, विभिन्न बंदरगाहों व रास्ते में फंसा है। इंडिया के पोर्ट पर भी करीब दो लाख टन चावल पड़ा है, जिसे विभिन्न देशों में भेजा जाना था। इसके चलते अतिरिक्त और भारी लागत की मार की आशंका है। हालांकि सरकार ने प्रयासों का भरोसा दिया है।

-सतीश गोयल, प्रधान ऑल इंडिया राइस एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन

विद्यार्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करें

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ द्वारा मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए जिंदल सॉ लिमिटेड की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस प्लेसमेंट ड्राइव का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों में रोजगार के अवसर प्रदान करना तथा उन्हें व्यावसायिक जीवन के लिए तैयार करना था। कंपनी के प्रतिनिधियों ने सीटीपीसी इन्क्यूबेशन सेंटर में चयन प्रक्रिया प्रारंभ की। कंपनी की ओर से टीम में उप महाप्रबंधक मनोज कुमार यादव, वरिष्ठ प्रबंधक दीपन कुमार पित्रोदा, प्रबंध सुरिंदर कुमार तथा सहायक प्रबंधक कुनाल कुमार उपस्थित रहे। प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार द्वारा कंपनी से आए प्रतिनिधियों के स्वागत एवं परिचय के साथ हुई।

डायरिया चैम्पियन को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

डायरिया से डर नहीं कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मुरादाबाद। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में मंगलवार को 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम की त्रैमासिक समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगामी स्टॉप डायरिया कैंपेन (डायरिया रोको अभियान) को लेकर तैयार की जा रही योजना पर भी विचार-विमर्श हुआ। इस मौके पर उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास सिंह ने डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए सराहनीय कार्य करने वाले डायरिया चैम्पियन को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पी. एस. आई. इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से यह बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह ने इस वित्तीय वर्ष के दौरान 'डायरिया से डर नहीं' कार्यक्रम के तहत आयोजित की गयीं समस्त गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही पिछले स्टॉप डायरिया कैम्पेन के तहत आयोजित की गयीं गतिविधियों के बारे में भी प्रकाश डाला और आगामी कैम्पेन की प्लानिंग पर भी चर्चा की। इन गतिविधियों के माध्यम से सामुदायिक स्तर पर डायरिया को लेकर आई जागरूकता के बारे में भी बताया। बैठक में मंडलीय मूल्यांकन एवं अनुश्रवण अधिकारी देवेंद्र सिंह, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से जानकी देवी, शिक्षा विभाग से राजकुमार, अर्बन हेल्थ कॉर्डिनेटर प्रमोद कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से चिकित्सा अधीक्षक, ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक, ब्लॉक प्रक्रिया प्रबंधक, एआरओ, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, पी. एस. आई. इंडिया से मोहम्मद रिजवान व ममता सैनी आदि उपस्थित रहे।

शिविर में 33 मोतियाबिंद मरीज ऑपरेशन को रवाना

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। लायन्स क्लब व आर जे शंकरा आई हॉस्पिटल वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन मंगलवार को केयर सेंटर निकट कुत्तुपुर तिराहा पर किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोग अपनी आंखों की जांच कराने पहुंचे। शिविर में 126 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया।

इनमें से 33 मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चुना गया है, जिन्हें निःशुल्क आपरेशन के लिए वाराणसी रवाना किया गया। शिविर में नेत्र चिकित्सक डॉ. रितु राज और उनकी चिकित्सकीय टीम ने रोगियों की जांच की। संस्थाध्यक्ष सीए राजेश राज गुप्ता ने बताया कि हर माह के दूसरे मंगलवार को ये नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित होता है जिसमें रोगियों के लेन्स प्रत्यारोपण, दवाई, चश्मे, भोजन, आवास और

परिवहन की सुविधा सब कुछ निशुल्क रहता है। इस लिए अधिक से अधिक लोग इस शिविर का लाभ उठायें। संयोजक डॉ संदीप मौर्य ने कहा कि अगला शिविर इसी स्थान पर 14 अप्रैल को लगेगा। मोहम्मद मुस्तफा, सचिव योगेश साहू, डॉ चन्द्रकला मौर्य, मनोज चतुर्वेदी, राजीव श्रीवास्तव, हस्सान महमूद, अजय आनन्द, शाहीन फात्मा, अजय कुमार, प्रियंका, नेहा, आदि उपस्थित रहे।

'किसी लड़के के साथ ऐसा न हो, मुझे इंसाफ मिले', बरेली में धोपेश्वरनाथ मंदिर के सेवादार ने दी जान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के कैंट इलाके में स्थित धोपेश्वर नाथ मंदिर के सेवादार युवक विजय राठौर ने फंदा लगाकर जान दे दी। इससे पहले उसने 32 मिनट 34 सेकेंड का एक वीडियो बनाकर यूट्यूब पर अपलोड किया। इसमें उसने प्रेमिका के घरवालों के साथ अपने परिजनों पर भी प्रताड़ित करने व पीटने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस से झूठी शिकायत करने और पुलिस पर रुपये लेने का भी आरोप लगाया है।

यूट्यूब पर दो दिन पहले अपलोड किए गए वीडियो में विजय कहता है कि मैं आज या कल में सुसाइड कर लूंगा। बहुत परेशान हूं। पूरी-पूरी रात सो नहीं पाता हूं। मुझे मेरे घरवालों ने और जिस लड़की की वजह से सुसाइड कर रहा हूं, इन सबने मुझे इतना परेशान कर दिया है कि मेरे पास यही रास्ता बचता है। पुलिसवालों ने पैसा खाया है। मेरे खिलाफ झूठी शिकायत की गई। जबकि सबको पता था कि मैं ऐसा

नहीं कर सकता हूं। किसी ने मेरे साथ अच्छा नहीं किया।

दो साल पहले हुई थी मुलाकात

विजय आगे कहता है कि वह उस लड़की से दो साल पहले धोपेश्वर नाथ मंदिर में मिला था। इंस्टाग्राम पर उससे बातचीत हो गई। मैंने उसे प्रपोज किया था। हमारे बीच में सब कुछ अच्छा चल रहा था। महाशिवरात्रि से पहले उनकी अनबन हुई। फिर एक महीने तक उसने बात नहीं की। फिर एक दिन उसने मैसेज किया कि हमारे बीच अब कुछ नहीं हो सकता है। वह उसके आगे बहुत गिड़गिड़ाया, लेकिन वह नहीं मानी। विजय ने कहा कि मैं ये वीडियो बरेली एसएसपी के पास भिजवाना चाहता हूं। मैंने सुना है वह बहुत अच्छे अफसर हैं। मरने के बाद मुझे इंसाफ मिले।

वृद्धा के चेन की खीचकर भागा, ग्रामीणों ने दबोचा

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव में मंगलवार की दोपहर को वृद्ध महिला से सोने की चैन छीन कर भाग रहे बदमाश को ग्रामीणों ने पकड़ लिया।महिला घर मे अकेली थी। सूचना पर पहुंची पुलिस को सौप दिया। इस गांव निवासी ज्ञान देवी पत्नी स्वर्गीय उमाशंकर राय घर पर बाइक सवार एक कुकर और कड़ाही बेचने वाला युवक आकर बोला कुकर व कड़ाही खरीद लें।जब तक वह कुछ कहती उसकी नजर घर के अंदर पड़ी।वहां कोई और दिखाई नही दिया।वह तत्काल घर के अंदर घुसकर वृद्ध ज्ञान देवी का गला और मुह दबाकर उनके गले से सोने की चेन को खींच लिया।वृद्धा के ओठ कट गया जिससे खून निकल आया।वह फेरी वाला बदमाश युवक भाग कर अपनी बाइक के पास पहुंचा। बाइक लेकर भागने लगा। तभी ज्ञान देवी ने शोर मचाना शुरू कर दिया।उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग उसे पकड़ने के लिये दौड़ लगा दिए। उसी समय अंकित विश्वकर्मा सुबाष विश्वकर्मा दौड़ कर बॉइक से भाग रहे।

मुरादाबाद में होटल-रेस्टोरेंट में कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई रोकी, घरेलू गैस की एक माह बाद होगी सप्लाई

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध का असर गैस सिलिंडर पर पड़ने वाला है। हालात के देखते हुए इंडियन गैस सर्विस ने होटलों और रेस्टोरेंट में 19 किग्रा के कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई पर रोक लगा दी है। यहां भी घरेलू गैस की सप्लाई की जाएगी।

यह निर्णय सोमवार को इंडियन गैस सर्विस से जुड़े एजेंसी संचालकों की ऑनलाइन मीटिंग में लिया गया। शहर में छोटे बड़े 200 से ज्यादा होटल और रेस्टोरेंट हैं। जहां किचन की सुविधा है। कुछ के पास पीएनजी कनेक्शन है। जबकि अधिकांश के किचन कॉमर्शियल सिलिंडर के सहारे चलते हैं।

इसके अलावा शहर में पांच हजार से ज्यादा स्ट्रीट फूड संचालक हैं। इनमें भी सिलिंडर का इस्तेमाल करने वालों की संख्या ज्यादा हैं। युद्ध को देखते हुए गैस एजेंसियों ने घरेलू

गैस की बुकिंग की अवधि पहले ही बढ़ा दी है। बुकिंग के दूसरे या तीसरे दिन में मिल जाने वाले सिलिंडर अब 25 से 30 दिन बाद मिलेंगे।

इस व्यवस्था के बीच इंडियन गैस सर्विस ने होटलों और रेस्टोरेंट में होने वाले 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई पर रोक लगा दी है। होटलों और रेस्टोरेंट में घरेलू सिलिंडर की सप्लाई की जाएगी। हालांकि यह रोक दूसरी गैस एजेंसियों की ओर से अभी नहीं लगाई गई है। लेकिन युद्ध की स्थिति को देखते हुए दूसरी एजेंसियों ने भी यह निर्णय ले लिया तो सिलिंडर का संकट खड़ा हो सकता है। घरेलू सिलिंडर की भी किल्लत हो सकती है। क्योंकि होटलों और रेस्टारेंट के अलावा स्ट्रीट फूड के चूल्हे भी घरेलू सिलिंडर पर ही निर्भर हो जाएंगे।

इंडियन गैस सर्विस से जुड़े एजेंसी संचालकों की ऑनलाइन मीटिंग में डिविजनल मैनेजर ने होटलों में होने वाले 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलिंडर पर रोक लगा दी है। होटलों में 14 किग्रा वाले सिलिंडर की सप्लाई की जाएगी।

- भूपेंद्र सिंह, संचालक, पंचशील गैस एजेंसी

अभी हमारे यहां होटलों में कॉमर्शियल सिलिंडर की सप्लाई पर रोक जैसे कोई आदेश नहीं है। अलबत्ता हमारे यहां घरेलू गैस की बुकिंग 30 दिन बाद हो रही है। इससे पहले बुकिंग नहीं हो रही है।

- बालेश अग्रवाल, संचालक, नंद गैस सर्विस

शहर में छोटे बड़े दो सौ से ज्यादा होटल और रेस्टारेंट है। जिनके यहां किचन की सुविधा है। हमारे यहां पीएनजी लाइन है। इसलिए अभी कोई दिक्कत नहीं है। लेकिन जिनके किचन सिलिंडर पर चल रहे हैं वहां दिक्कत आ सकती है। स्ट्रीट फूड वाले भी कॉमर्शियल सिलिंडर का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में दिक्कत बढ़ सकती है।

- सतीश अरोड़ा, डायरेक्टर, प्रेमवंडर लैंड

हमारे यहां पीएनजी कनेक्शन है। लेकिन जिनके यहां पीएनजी कनेक्शन नहीं है। वहां कॉमर्शियल गैस की सप्लाई बंद होने से दिक्कत आ सकती है। घरेलू गैस की सप्लाई होगी तो संकट बढ़ेगा। लोगों को दिक्कत होगी।

- डीपी सिंह, मैनेजर, होटल विलेज

सीएम योगी को न्योता, कब है चाइनामैन गेंदबाज की शादी और रिसेप्सन, कहां रहती हैं दुल्हन?

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कानपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वे 14 मार्च को मसूरी में अपनी मंगेतर वंशिका के साथ सात फेरे लेंगे। इस शुभ अवसर के उपलक्ष्य में 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन किया जाएगा।

कुलदीप यादव और वंशिका की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं। 13 मार्च को हल्दी और मेहंदी की रस्में संपन्न होंगी, जिसके बाद 14 मार्च को मसूरी के एक खूबसूरत रिसॉर्ट में दोनों परिवारों और दोस्तों की मौजूदगी में विवाह संपन्न होगा। यह कार्यक्रम दोनों परिवारों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसमें क्रिकेट जगत की कई जानी-मानी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है।

कुलदीप और वंशिका की सगाई पिछले साल चार जून को लखनऊ के एक होटल में संपन्न हुई थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह की मंगेतर और सांसद प्रिया सरोज ने भी इस कार्यक्रम में शिरकत की थी। यह शादी नवंबर 2025 में तय थी, लेकिन भारतीय टीम के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और टी-20 विश्वकप में कुलदीप के चयन के कारण इसे आगे बढ़ा दिया गया।

मेहमानों की सूची और आयोजन

शादी समारोह में दोनों परिवारों के सदस्यों के अलावा, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) और भारतीय टीम के वर्तमान तथा पूर्व क्रिकेटरों के शामिल होने की संभावना है। वहीं, 17 मार्च को लखनऊ में होने वाले रिसेप्शन में बीसीसीआई, यूपीसीए (उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन) और विभिन्न शहरों के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति अपेक्षित है। यह आयोजन कुलदीप के पेशेवर जीवन के साथ-साथ उनके व्यक्तिगत जीवन की एक महत्वपूर्ण कड़ी को भी दर्शाता है।

वर-वधू का परिचय

कुलदीप यादव की बचपन की दोस्त वंशिका, जो ऑस्ट्रेलिया में कार्यरत हैं। करीबी मित्र ने बताया कि सेंट मैरी से 2017 में वंशिका ने 12वीं पास की थी। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई और जॉब के लिए ऑस्ट्रेलिया चली गई थीं। कुलदीप यादव और वंशिका बचपन के दोस्त हैं। दोनों की दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई और दोनों अब शादी करेंगे। वंशिका के पिता योगेंद्र सिंह चड्ढा एलआईसी (भारतीय जीवन बीमा निगम) में कार्यरत हैं। यह विवाह दो परिवारों के मिलन का प्रतीक है और क्रिकेट जगत में इस खबर को लेकर उत्साह का माहौल है।

परिवर्तन की प्रेरणा है सावित्री बाई फुले: हरिओम

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय, में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक एवं नारी शिक्षा की अग्रदूत सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह की प्रेरणा से आर्यभट्ट सभागार, प्रो. राजेन्द्र सिंह संस्थान में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिक्षकों, अधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके महान योगदान को स्मरण किया। मुख्य वक्ता तिलकधारी पी.जी. कॉलेज, के प्रो. हरिओम त्रिपाठी ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने ऐसे समय में महिलाओं की शिक्षा का अलख जगाया, जब समाज में महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल एक शिक्षिका ही नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की सशक्त प्रतीक थीं।

शिक्षा से मिलगी जीवन की असली मंजिल : कुलपति

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा देवकली गाँव में संचालित "प्रेरणा कोचिंग" से जुड़े ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के बच्चों के लिए शैक्षिक सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के अंतर्गत सम्पन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्किट वितरित किए गए। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को किट वितरित की तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के बल पर ही जीवन में हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बच्चों से उनके सपनों के बारे में भी बातचीत की और उन्हें अपने लक्ष्य को पाने के लिए निरंतर परिश्रम करने का संदेश दिया। अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर शशिभूषण सिंह की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने कहा कि कंपनी सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत शिक्षा और समाज के विकास से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों में आगे भी सहयोग करती रहेगी। प्रो. अजय प्रताप सिंह, डॉ. अन्नू त्यागी, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. इंद्रेश कुमार, सुमित सिंह, दिव्यांशु सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कम कीमत पर मिलेंगे शहरों में मकान, गांव-गांव तक जाएंगी सरकारी बसें

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश के आठ शहरों में आवासीय योजनाओं के लिए सरकार ने 425 करोड़ रुपए देने का फैसला किया है। जिन शहरों को पैसा देने का फैसला किया गया है, उनमें बरेली, वाराणसी, उरई, चित्रकूट, बांदा, प्रतापगढ़, गाजीपुर व मऊ शामिल हैं। इस धनराशि से शहरों में नई आवासीय योजनाएं शुरू करने के लिए भूमि की व्यवस्था की जाएगी। इससे संबंधित आवास विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है।

बता दें कि बड़े शहरों के साथ ही छोटे शहरों में भी प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण, नए शहर प्रोत्साहन योजना में विकास प्राधिकरणों को जमीन लेने को सीड कैपिटल के रूप में अधिकतम 20 साल के लिए पैसे दे रही है। कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के आठ शहरों को 425 करोड़ रुपये देने का फैसला किया गया है। वाराणसी को ग्राम गंजारी, हरपुर व शिवसागर और मढ़नी में जमीन लेने के लिए 200 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इससे वर्ल्ड सिटी एक्सपो भूमि विकास एवं गृहस्थान योजना वाराणसी विकास प्राधिकरण लाएगा।

बरेली विकास प्राधिकरण में 150 करोड़ से आसपुर, खूबचंद, अडूपुरा, जागीर, अहिलादपुर, बरकापुर, कुम्हरा, कलापुर, मोहरनियां, नवदिया, कुर्मियांनव व हरहरपुर में जमीन ली जाएगी। उरई को 30, आवास विकास परिषद को चित्रकूट में भूमि लेने के लिए 20 करोड़ रुपये दिए गए हैं। आवास विकास परिषद को बांदा के लिए 30 करोड़, कटरा रोड प्रतापगढ़ के लिए 50 करोड़ रुपये दिए गए हैं। गाजीपुर के लिए 20 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

12,200 ग्राम सभाओं तक चलेंगी बसें, परमिट व टैक्स से होंगी मुक्त

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट ने प्रदेश की 12,200 ग्राम सभाओं तक बस की सेवा पहुंचाने का फैसला लिया। इन बसों को परमिट व टैक्स से मुक्त रखा गया है। 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026' के माध्यम से प्रदेश के हर गांव तक बस पहुंचेगी। पंचायत चुनाव से पहले कैबिनेट ने इस योजना के जरिये ग्रामीणों को तोहफा दिया है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि अभी तक 12,200 गांवों तक बसें नहीं पहुंच रही थीं, लेकिन नई पॉलिसी के तहत प्रदेश की सभी ग्राम सभाओं तक बसों की उपलब्धता का फैसला लिया गया है। इससे ग्रामीण आबादी लाभांवित होगी। ये बसें चलाने की अनुमति निजी लोगों को मिलेगी। इसके लिए डीएम की अध्यक्षता में कमेटी गठित होगी, जिसमें सीडीओ, एसपी, एआरटीओ, एआरएम सदस्य होंगे। ये बसें रात में गांव में ही रुकेंगी। सुबह ब्लॉक व तहसील होते हुए सुबह 10 बजे तक जिला मुख्यालय तक पहुंचेंगी।

कमेटी करेगी किराया निर्धारित

परिवहन मंत्री ने बताया कि कमेटी स्थानीय स्तर पर किराया निर्धारण करेगी। इसका टिकट भी सस्ता रहेगा। योजना के तहत प्रत्येक आवेदक (जिस ब्लॉक के लिए उसने आवेदन किया है) को समस्त ग्राम पंचायत एवं रूट पर अपने विवेकानुसार वाहन संचालन करने तथा फेरों की संख्या का अधिकार होगा। बस संचालक ब्लॉक की प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रतिदिन कम से कम दो बार वाहन सेवा प्रदान करेगा। योजना के क्रियान्वयन के लिए आवेदन की स्क्रीनिंग 15 दिन में होगी। आवेदक को 15 दिन में वाहन उपलब्ध कराने होंगे। वहीं निर्धारित प्रक्रिया को 45 दिनों में पूरी की जाएगी। आवेदनों का परीक्षण एवं चयन कमेटी द्वारा किया जाएगा। कमेटी द्वारा सेवा प्रदाताओं का चयन करते हुए मार्ग निर्धारण को अंतिम रूप दिया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन एवं निगरानी का दायित्व क्षेत्रीय प्रबंधकों का होगा, जो नियमित रूप से (न्यूनतम मासिक) आयुक्त को कार्य प्रगति से अवगत कराएंगे।

संपत्ति की रजिस्ट्री से पहले स्वामित्व दस्तावेजों की जांच अनिवार्य करने की तैयारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। संपत्ति के फर्जी या विवादित सौदों पर रोक लगाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार रजिस्ट्री प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव करने की तैयारी कर रही है। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, अब संपत्ति के पंजीकरण से पहले खतौनी और अन्य स्वामित्व से संबंधित अभिलेखों का अवलोकन और परीक्षण अनिवार्य करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।विभाग के अनुसार वर्तमान समय में कई मामलों में संपत्ति के वास्तविक स्वामी के अलावा अन्य व्यक्ति द्वारा संपत्ति का विक्रय, प्रतिबंधित या निषिद्ध संपत्ति की बिक्री, किसी व्यक्ति द्वारा अपने अधिकार से अधिक संपत्ति का विक्रय, कुर्क संपत्ति का विक्रय या केंद्र एवं राज्य सरकार के स्वामित्व वाली संपत्तियों की रजिस्ट्री कराए जाने जैसे मामले सामने आते रहते हैं। इससे जनसामान्य को मुकदमेबाजी और अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा शासन और विभाग की छवि भी प्रभावित होती है।रजिस्ट्रीकरण अधिनियम और नियमावली के तहत किसी विलेख के पंजीकरण से इनकार करने के मामले में उप निबंधक को रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 की धारा 35 के अंतर्गत सीमित अधिकार प्राप्त हैं। इसी कारण कई बार विवादित या संदिग्ध संपत्तियों की भी रजिस्ट्री हो जाती है।इन समस्याओं के समाधान के लिए अन्य राज्यों में समय-समय पर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम और नियमावली में संशोधन कर नियंत्रण स्थापित किया गया है। इसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया गया है।

जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस, संचालन की दिशा में बड़ा कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मंगलवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर भारत सरकार की ओर से जारी एयरोड्रम लाइसेंस प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण चरण पूरा हो गया है। लाइसेंस मिलने के बाद अब एयरपोर्ट के उद्घाटन और वाणिज्यिक उड़ानों की शुरुआत की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन समेत वरिष्ठ अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने इस मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री को परियोजना की प्रगति और आगामी चरणों की जानकारी भी दी। अधिकारियों के अनुसार एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद अब नियामकीय स्वीकृतियों की अंतिम प्रक्रिया जारी है। एयरपोर्ट का एयरोड्रम सिक्योरिटी प्रोग्राम इस समय नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो के पास समीक्षा के लिए लंबित है। सुरक्षा से जुड़ी यह मंजूरी मिलते ही एयरपोर्ट प्रबंधन सभी संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय कर औपचारिक उद्घाटन और वाणिज्यिक संचालन की तिथि तय करेगा।गौतमबुद्ध नगर के जेवर में विकसित हो रहा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को देश और दुनिया के प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा है। इस एयरपोर्ट को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ विकसित किया जा रहा है, जहां स्विस दक्षता और भारतीय आतिथ्य का समन्वय देखने को मिलेगा। एयरपोर्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस्टोफ श्नेलमैन हैं। एयरपोर्ट का विकास चार चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में एक रनवे और एक यात्री टर्मिनल भवन बनाया गया है, जिसकी क्षमता प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ 20 लाख यात्रियों की होगी। दूसरे चरण में क्षमता बढ़ाकर 3 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाई जाएगी। तीसरे और चौथे चरण में विस्तार के बाद कुल क्षमता 7 करोड़ यात्रियों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।पहले चरण में टर्मिनल भवन का क्षेत्रफल लगभग 1.38 लाख वर्गमीटर है, जिसमें 48 चेक-इन काउंटर, 9 सुरक्षा जांच लेन और 9 इमिग्रेशन काउंटर बनाए गए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय लाउंज भी विकसित किए जा रहे हैं। इसके अलावा यहां 10 एयरोब्रिज और 28 विमान पार्किंग स्टैंड की व्यवस्था की गई है। रनवे पर प्रति घंटे लगभग 30 उड़ानों के संचालन की क्षमता विकसित की गई है।एयरपोर्ट परिसर में आधुनिक कार्गो और लॉजिस्टिक्स हब भी तैयार किया जा रहा है। प्रारंभिक चरण में इसकी क्षमता लगभग 2.5 लाख टन कार्गो प्रतिवर्ष होगी, जिसे आगे चलकर 15 लाख टन तक बढ़ाया जाएगा।तकनीकी दृष्टि से भी यह एयरपोर्ट अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। यहां डिजीयात्रा आधारित बायोमेट्रिक प्रणाली, सेल्फ बैगेज ड्रॉप और डिजिटल यात्री प्रोसेसिंग सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा रही हैं, ताकि यात्रियों को तेज और सहज यात्रा का अनुभव मिल सके। सतत विकास को ध्यान में रखते हुए एयरपोर्ट को नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ विकसित किया जा रहा है।

लखनऊ में लिवलॉन्ग 365 की नई शाखा का उद्घाटन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारत की अग्रणी बीमा और एकीकृत हेल्थ-टेक प्लेटफॉर्म लिवलॉन्ग 365 ने लखनऊ में अपनी नई शाखा शुरू करने की घोषणा की है। यह विस्तार सुलभ और हाइपरलोकल स्वास्थ्य सेवा तथा बीमा समाधान उपलब्ध कराने की कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। नई शाखा के माध्यम से कंपनी प्रमुख शहरी क्षेत्रों में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति बढ़ाते हुए ग्राहकों को उनके नजदीक ही स्वास्थ्य सेवाएं और बीमा विकल्प उपलब्ध कराएगी।लखनऊ शाखा रिटेल हेल्थ इंश्योरेंस, कॉर्पोरेट ओपीडी प्रोग्राम और एसएमई-केंद्रित बीमा समाधानों के विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। शहर के व्यस्त आवासीय क्षेत्र में स्थित यह शाखा व्यक्तिगत ग्राहकों, कॉर्पोरेट घरानों और छोटे व्यवसायों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी।लिवलॉन्ग के संस्थापक और सीईओ गौरव दुबे ने कहा कि लखनऊ कंपनी की राष्ट्रीय विस्तार यात्रा का एक प्रमुख बाजार है। नई शाखा के साथ हाइपरलोकल उपस्थिति को मजबूत किया जा रहा है, जिससे एकीकृत स्वास्थ्य बीमा और वेलनेस समाधान क्षेत्र के लोगों और व्यवसायों के लिए अधिक सुलभ बन सकें।मुख्य वितरण अधिकारी एवं सेल्स हेड मोहित भारद्वाज ने बताया कि लखनऊ शाखा उत्तर भारत में कंपनी के वितरण नेटवर्क और पार्टनर इकोसिस्टम को मजबूत करेगी तथा क्षेत्र में एकीकृत स्वास्थ्य समाधानों की व्यापक पहुंच सुनिश्चित करेगी।इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नेशनल हेड डॉ. सौम्य कुमार मिश्रा ने कहा कि लखनऊ में लिवलॉन्ग के विस्तार में सहयोग कर उन्हें प्रसन्नता है। यह साझेदारी उभरते बाजारों में ग्राहकों को व्यापक स्वास्थ्य बीमा समाधान और बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।लिवलॉन्ग 365 की लखनऊ शाखा का भव्य उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. सौम्य कुमार मिश्रा ने किया। यह शाखा लिवलॉन्ग प्रोटेक्शन एंड वेलनेस सॉल्यूशंस लिमिटेड के कार्यालय संख्या-4, दूसरी मंजिल, सेंटर कोर्ट, राधा कृष्ण भवन के पीछे, 3/C-5 पार्क रोड, लखनऊ में स्थित है।कंपनी के अनुसार यह पहल अगले दो वर्षों में देशभर में 100 शाखाएं स्थापित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। दिल्ली, बेंगलुरु, नासिक, कोलकाता, नागपुर और अंधेरी में हाल ही में हुए लॉन्च के बाद लखनऊ शाखा ओपीडी सेवाओं, स्वास्थ्य बीमा और वेलनेस कार्यक्रमों के क्षेत्र में देश का सबसे भरोसेमंद और सुलभ मंच बनने के कंपनी के लक्ष्य को और मजबूत करती है।

लखनऊ में पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर फरार पति गिरफ्तार, जंगल से बरामद हुआ आलाकत्ल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी के निगोहां थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कर फरार हुए आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है।पुलिस के अनुसार पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देश पर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत दक्षिणी जोन पुलिस उपायुक्त निपुण अग्रवाल के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वसंत कुमार के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज विकास कुमार पांडेय के पर्यवेक्षण में निगोहां थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। थानाध्यक्ष अनुज कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी राजेश रावत को 10 मार्च 2026 को गिरफ्तार किया।गिरफ्तार आरोपी राजेश रावत पुत्र स्वर्गीय मोहन मूल रूप से ग्राम अकहरदू थाना नगराम का निवासी है और वर्तमान में अपनी ससुराल ग्राम शेखनखेड़ा मजरा उतरांवां थाना निगोहां में रह रहा था। आरोपी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम पतौना से अकंताखेड़ा जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया।पुलिस के मुताबिक 8 मार्च 2026 को ग्राम शेखनखेड़ा मजरा उतरांवां में घरेलू विवाद के दौरान आरोपी ने अपनी पत्नी राजेश्वरी (करीब 45 वर्ष) के सिर पर कुल्हाड़ी से कई वार कर उसकी हत्या कर दी थी और घटना के बाद मौके से फरार हो गया था। मृतका के पुत्र गुलशन कुमार की तहरीर पर थाना निगोहां में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने करीब दो वर्ष पहले अपनी पैतृक जमीन बेचकर ससुराल गांव में जमीन खरीदी थी और परिवार के साथ वहीं रहने लगा था।

लखनऊ में चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश, तीन शातिर गिरफ्तार, 25 लाख के जेवरात व नकदी बरामद

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की दक्षिणी जोन पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त कार्रवाई में चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के कीमती जेवरात, नकदी और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद सामान की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये बताई जा रही है।पुलिस के अनुसार अपराध नियंत्रण अभियान के तहत पुलिस आयुक्त और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय के निर्देश पर दक्षिणी जोन पुलिस उपायुक्त के निर्देशन में तथा अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी और सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर के पर्यवेक्षण में थाना बिजनौर पुलिस ने कार्रवाई की। इस दौरान थाना क्षेत्र में दर्ज कई चोरी की घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रावेन्द्र कुमार गौतम उर्फ छोटू निवासी दुर्गापुरम कॉलोनी फरीदीपुर थाना ठाकुरगंज, सन्नी रावत उर्फ कालिया निवासी ग्राम हंसखेड़ा थाना पारा और शिवा चौरसिया उर्फ जान निवासी काशीराम कॉलोनी सदरौना थाना पारा के रूप में हुई है। पुलिस ने इन्हें पीएम आवास योजना गेट नंबर-2 के सामने तिराहे से चोरी के माल सहित गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार थाना बिजनौर क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के संबंध में कई मुकदमे दर्ज किए गए थे। इन घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की।पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि पहले वे ऑर्केस्ट्रा में काम करते थे, जहां उनकी आपस में पहचान हुई। बाद में वे पेंटिंग और कारपेंटरी का काम करने लगे, जिससे उन्हें घरों की रेकी करने में आसानी होती थी। वे मोटरसाइकिल से घूमकर बंद पड़े मकानों की पहचान करते थे और मौका मिलते ही ताला तोड़कर घरों में घुसकर कीमती सामान चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद वे लखनऊ छोड़कर अन्य जिलों में चले जाते थे और चोरी का सामान बेचकर आपस में पैसा बांट लेते थे।पुलिस ने उनके पास से सोने की छह अंगूठियां, चार गले की चेन, दो जोड़ी कंगन, नोज पिन, कान की बालियां, मांग टीका, झुमके, टॉप्स सहित कई अन्य आभूषण बरामद किए हैं। इसके अलावा चांदी के पायल, सिक्के, बिछिया, कटोरी, प्लेट सहित अन्य सामान और 47,150 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। साथ ही चोरी की वारदात में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों पर लखनऊ के विभिन्न थानों में चोरी और अन्य अपराधों के कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

संक्षेप

अयोध्या में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए नजूल भूमि नगर निगम को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव

लखनऊ। जनपद अयोध्या में खेल सुविधाओं के विकास के उद्देश्य से मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण के लिए नजूल भूमि नगर निगम अयोध्या को हस्तांतरित करने का प्रस्ताव रखा गया है।जिलाधिकारी अयोध्या द्वारा नगर आयुक्त नगर निगम अयोध्या के पत्र दिनांक 10 सितंबर 2025 के आधार पर यह प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। इसके तहत चक संख्या-4, मोहल्ला वशिष्ठ कुंड, परगना हवेली अवध, तहसील सदर, जनपद अयोध्या स्थित नजूल भूमि गाटा संख्या 1026, 1027, 1029, 1030, 1031, 1033 (मि.) और 1035 कुल सात कितों की लगभग 2500 वर्गमीटर भूमि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के लिए नगर निगम अयोध्या के पक्ष में हस्तांतरित किए जाने का प्रस्ताव किया गया है।प्रस्ताव में उक्त भूमि को नगर निगम अयोध्या को निःशुल्क हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया है। इसके तहत प्रभावी जिलाधिकारी सर्किल दर पर छूट प्रदान करते हुए कुछ शर्तों और प्रतिबंधों के अधीन इस भूमि को निःशुल्क आवंटित या हस्तांतरित करने का प्रावधान किया गया है।प्रस्ताव के अनुसार यह हस्तांतरण अपवादस्वरूप किया जाएगा और इसे भविष्य में किसी अन्य मामले में दृष्टांत के रूप में नहीं माना जाएगा। इस पहल से अयोध्या में खेल अवसंरचना के विकास को बढ़ावा मिलने और स्थानीय युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है।

डिफॉल्टर आवंटियों को राहत देने के लिए ओटीएस योजना 2026 लागू करने का प्रस्ताव

लखनऊ। विभिन्न विकास प्राधिकरणों और अभिकरणों की संपत्तियों से संबंधित बकाया धनराशि की वसूली और डिफॉल्टर आवंटियों को राहत देने के उद्देश्य से एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) 2026 लागू करने का प्रस्ताव तैयार किया गया है।प्रस्तावित योजना सभी प्रकार की संपत्तियों पर लागू होगी। इसके साथ ही मानचित्र स्वीकृति से जुड़े डिफॉल्टर प्रकरणों को भी इस योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा।योजना के अंतर्गत डिफॉल्टर आवंटियों से केवल साधारण ब्याज लिया जाएगा, जबकि किसी भी प्रकार का दंड ब्याज नहीं वसूला जाएगा। इससे बकाया राशि जमा करने में आवंटियों को राहत मिलेगी और अभिकरणों को भी लंबित धनराशि की वसूली में सुविधा होगी।इस योजना के माध्यम से विभिन्न अभिकरणों की संपत्तियों के डिफॉल्टर आवंटियों तथा मानचित्र स्वीकृति के सापेक्ष लंबित बकाया धनराशि की वसूली सुनिश्चित की जा सकेगी।ओटीएस योजना के तहत आवेदन करने के लिए तीन माह का समय दिया जाएगा। इसके बाद प्राप्त आवेदनों का निस्तारण भी तीन माह के भीतर किए जाने का प्रावधान रखा गया है। योजना के लागू होने से बड़ी संख्या में लंबित मामलों के समाधान की उम्मीद जताई जा रही है।

गंगा एक्सप्रेसवे के पास मेरठ में समेकित विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित होगा

लखनऊ। प्रदेश में औद्योगिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से अटल इंडस्ट्रियल इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत एक्सप्रेसवे के सन्निकट क्षेत्रों में समेकित विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर स्थापित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद मेरठ में गंगा एक्सप्रेसवे के पास ऐसे क्लस्टर के लिए अवस्थापना विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) द्वारा विकसित आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे तथा निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे कुल 29 स्थानों पर औद्योगिक कॉरिडोर परियोजना के तहत समेकित विनिर्माण एवं लॉजिस्टिक्स क्लस्टर स्थापित और विकसित किए जा रहे हैं।मेरठ नोड में प्रस्तावित क्लस्टर के अंतर्गत सड़क, आरसीसी नालियां, आरसीसी कल्वर्ट, फायर स्टेशन, अवर जलाशय, जलापूर्ति लाइन, घेराबंदी, विद्युत आपूर्ति तथा अन्य औद्योगिक अवस्थापना से जुड़े निर्माण कार्य किए जाएंगे।गंगा एक्सप्रेसवे के पास मेरठ में इस क्लस्टर के निर्माण कार्य अभियांत्रिकी, क्रय एवं निर्माण (ईपीसी) पद्धति से कराए जाएंगे।

नगर निगम लखनऊ में 25 कर्मचारियों को दी गई भावभीनी विदाई, महापौर ने पेंशन बुक सौंपकर किया सम्मानित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ से 28 फरवरी 2026 को कुल 25 कर्मचारी सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इन कर्मचारियों के सम्मान में मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित त्रिलोकीनाथ हॉल में एक भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में महापौर सुषमा खर्कवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन बुक तथा सेवानिवृत्ति से संबंधित आवश्यक दस्तावेज सौंपे और उनके स्वस्थ एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर महापौर ने कहा कि नगर निगम की व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने में कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वर्षों तक निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ कार्य करने वाले इन कर्मचारियों ने शहर की सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि नगर निगम परिवार उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा और सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका अनुभव समाज के लिए उपयोगी रहेगा।कार्यक्रम में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार और डॉ. अरविंद कुमार राव, चीफ फाइनेंस ऑफिसर महामिलिंद, एमएनएलपी बनवारी लाल, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.के. श्रीवास्तव तथा चीफ इंजीनियर आरआर मनोज प्रभात सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।समारोह में कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष शशि मिश्रा, उत्तर प्रदेश नगर निगम कर्मचारी संघ लखनऊ के अध्यक्ष राजेश सिंह, नगर निगम एवं जलकर कर्मचारी संघ लखनऊ के अध्यक्ष आनंद मिश्रा तथा महामंत्री कैसर राजा ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।नगर निगम से सेवानिवृत्त होने वालों में उद्यान विभाग में माली पद से भागु लाल, राजेन्द्र, लालता प्रसाद, राजेन्द्र, माता बदल, जगदीश, संतराम, महावीर, जिया लाल, राम मनोहर, राम मिलन, अमर नाथ, नकछेद, नन्दलाल और उदन शामिल हैं। इसके अलावा कर विभाग जोन-6 में अनुचर पद से अजय कुमार तिवारी, कक्षा समिति-02 निरालानगर में सफाई कर्मचारी पद से अशोक, कक्षा समिति-03 हजरतगंज में सफाई कर्मचारी पद से इन्दर, महेश, आशा, राम नरेश और प्रदीप कुमार, कक्षा समिति-09 हसनगंज में सफाई कर्मचारी पद से हरी और राजेंद्र तथा कक्षा समिति-11 चौक दौलतगंज में सफाई कर्मचारी पद से प्रमेश सेवानिवृत्त हुए।समारोह के दौरान सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके लंबे सेवाकाल की सराहना करते हुए सुखद, स्वस्थ और समृद्ध भविष्य की कामना की।

नए शहरों के विकास के लिए आठ नगरों को 425 करोड़ रुपये की स्वीकृति का प्रस्ताव

लखनऊ। नगरीय क्षेत्रों के सुनियोजित और सुव्यवस्थित विकास के साथ ही बढ़ती शहरी आबादी को आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना के तहत प्रदेश के आठ नगरों के लिए धनराशि स्वीकृत करने का प्रस्ताव रखा गया है। योजना के अंतर्गत नए शहरों के समग्र और व्यवस्थित विकास के लिए शासनादेश दिनांक 6 अप्रैल 2023 के माध्यम से दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इन दिशा-निर्देशों के अनुसार भूमि अर्जन में आने वाले व्यय का 50 प्रतिशत तक राज्य सरकार द्वारा सीड कैपिटल के रूप में अधिकतम 20 वर्ष की अवधि के लिए उपलब्ध कराने का प्रावधान है।वित्तीय वर्ष 2025-26 में नए शहरों के विकास के लिए 3000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

इसराइल और अमेरिका की निंदा

विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य क्षमता के देश अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जैसे पूरी दुनिया, विशेषकर मध्य पूर्व एशिया को युद्ध की आग में झोंककर तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। इसराइल ने 28 फरवरी को अमेरिका के साथ मिलकर ईरान में मिसाइलों, बम वर्षक विमानों से एक साथ हमला कर ईरान के सुप्रीम कमांडर अली खुमेनई सहित, रक्षा मंत्री, गृह मंत्री,43 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। विगत तीन दिन से इसराइल और ईरान में घमासान मचा हुआ है। दूसरी ओर ईरान ने दुबई, कुवैत, यमन, दोहा, जद्दा, बहरीन, आबुधाबी में स्थित अमेरिका के ठिकानों पर हमला कर दिया।

दुनियां भर में इसराइल और अमेरिका के इस कृत्य की निंदा हो रही है। यहां तक कि पाकिस्तान और भारत में भी कई शहरों लोगों ने विरोध जताया है। हालांकि भारत आधिकारिक तौर पर विश्व शांति की अपील की है। इस घटनाक्रम का विश्व बाजार पर गहरा असर पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ेगी क्योंकि पूरे विश्व का 22 फीसदी क्रूड ऑयल भंडार ईरान पर है और भारत अपनी जरूरत का तीस फीसदी तेल ईरान से खरीदता है।ईरान ने मिसाइलों से दुबई, कुवैत, यमन, दोहा, जद्दा, बहरीन आबुधाबी,के तेल संयंत्रों को बर्बाद कर दिया है। आज बाजार खुलते ही सेंसेक्स 1000 पॉइंट नीचे गिर गया।

दरअसल जब से 2025 से दूसरी बार यू एस प्रेसिडेंट बने हैं डोनाल्ड ट्रंप तब उनके फैसलों में आग निकल रही है। पहले उन्होंने टैरिफ बार खेला और भारत , चाइना को इस जाल में फंसा कर अपनी बात मनवाई।इस वर्ष उन्होंने वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति मादुरो को पकड़कर अमेरिकी जेल में डाल दिया और वेनेज़ुएला पर कब्जा कर लिया।

ईरान पर आठ माह पूर्व उसके परमाणु हथियारों के ठिकानों पर हमला किया। बस रूस ही ऐसा देश है जो अमेरिकी दबाब में नहीं आ रहा है और वह भी यूक्रेन को हड़प रहा है।

कुल मिलाकर स्थिति यह है कि जिसकी लाठी उसकी भैंस।

इतना नहीं नाटो देश भी अब अमेरिका के साथ है। जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड ने अपनी सेना युद्ध में उतारने का मन बना लिया है। डॉनल्ड ट्रंप से पहले के यू एस प्रेसिडेंट चाहे वह बराक ओबामा रहे हो या जोए बाइडन, यहां तक कि जॉर्ज बुश,सीनियर,जूनियर, विश्व राजनीतिक दखल तो रखते हुए सौम्यता बनाए रखते थे।हालांकि 50 वर्षों में मध्य पूर्व एशिया में अमेरिका ने सऊदी अरब, कुवैत, यमन, दोहा जद्दा, बहरीन, आबुधाबी को अपने रखा कवच में रखा है और वहां पर अमेरिका के सैनिक अड्डे, हवाई जहाज है।

लेकिन इसराइल को उन्होंने विशेष रूप से सृजित किया है। इसराइल के पास आज ईरान,इराक,जैसे बड़े से अधिक सैन्य क्षमता है। यह सब अमेरिका का किया धारा है।ईरान भी कट्टर मुस्लिम शिया देश है जबकि साउथ एशिया में अफगानिस्तान, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब, कुवैत यमन दोहा जद्दा बहरीन आबुधाबी,सभी सुन्नी मुस्लिम देश है।ईरान को केवल लेबनान, बेरुत से सहयोग मिलता है।इसी लिए उसने हिज्बुल्लाह,हमास, अलकायदा, तालिबान, मिलेशिया को पनपा रखा है। ईरान का इतिहास भी कम रक्त रंजित नहीं है।यहां भी 1979 से पहले राजा पहलवी की किंग डम थी लेकिन अयातुल्ला खोमानी नामक कट्टर पंथी ने इस्लामिक क्रांति कर दी और ईरान का खुला पन जाता रहा है महिलाओं पर बेहद कड़े कानून लागू हुए ।1989 में अयातुल्ला खोमानी की निधन के बाद से 37 वर्ष से अली खुमेनई का शासन है। ईरान इसराइल से निपटने के लिए परमाणु हथियारों को हासिल करना चाहता था उसने 90 फीसदी तक यूरेनियम का परिशोधन कर लिया था।

लेकिन अमेरिका ने अगस्त 2025 में उनका परमाणु हथियार बनाने वाला स्थान पर बमबारी की । दरअसल सऊदी अरब कुवैत यमन दोहा जद्दा बहरीन आबुधाबी, सभी चाहते हैं कि ईरान मध्य पूर्व में मुस्लिम देशों का नेता बनना चाहता है। ईरान के पूरे विश्व का 22 फीसदी क्रूड ऑयल भंडार है जो वेनेज़ुएला के बाद दूसरे स्थान पर है। डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को दबाने की मोहिम तो अपने पहले कार्यकाल से चला रखी है लेकिन 2021 के चुनाव में वे जोए बाइडन से हार गए थे। लेकिन इस बार उन्होंने इसराइल से मिल कर ईरान पर कब्जा तो नहीं अपना उल्लू बैठाने का फैसला कर दिया था। और अमेरिका में रह रहे पहलवी बांसाज़ को सत्ता सौंपेंगे।इसी लिए अमेरिका ने सबसे पहले अली खुमेनई को निपटाया है। सूत्र बताते हैं कि यह युद्ध अभी रुकने वाला नहीं है।लगे हाथ इजरायल ने भी गाजा पट्टी पलस्तीन खाली कराली है। पलस्तीनियों को अफ्रीकी देश में बसाने की मुहिम चल रही है।अन्य मुस्लिम देश पाकिस्तान अफगानिस्तान में उलझ गया है।

किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के लिए जनऔषधि परियोजना का रणनीतिक विकास

जगत प्रकाश नड्डा

वैश्विक स्तर पर, जेनेरिक दवाइयाँ सुलभ स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की मूलभूत आधारशिला हैं। विश्व भर में चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली कुल दवाइयों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 80-90 प्रतिशत है

जन औषधि सस्ती भी, भरोसेमंद भी, सेहत की बात, बचत के साथ

किसी राष्ट्र की प्रगति का असली पैमाना अक्सर इस बात से परिलक्षित होता है कि उसके नागरिक स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक कितनी आसानी से पहुँच सकते हैं। दशकों तक, भारत के लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आरोग्य के लिए दवाओं की उच्च लागत एक प्रमुख वित्तीय बाधा रही है। इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को उनके ब्रांडेड समकक्षों की तुलना में काफी कम कीमत पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल है। यह परियोजना सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करके एक व्यापक और व्यवस्थित परिवर्तन लाने में सफल रही है।

वैश्विक स्तर पर, जेनेरिक दवाइयाँ सुलभ स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की मूलभूत आधारशिला हैं। विश्व भर में चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली कुल दवाइयों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 80-90 प्रतिशत है और इसने आवश्यक दवाओं तक पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि जेनेरिक दवाइयाँ पैकेज, लेबल और निष्क्रिय अवयव की दृष्टि से भिन्न हो सकती हैं, लेकिन अध्ययनों से पता चला है कि ये अंतर उनके चिकित्सीय प्रभाव पर असर नहीं डालते हैं। खुराक, सुरक्षा, क्षमता, गुणवत्ता और लक्षित उपयोग के संदर्भ में जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की समकक्ष हैं तथा उत्पादन और गुणवत्ता के कठोर मानकों का समान रूप से पालन करती हैं।

पीएमबीजेपी केवल एक खुदरा-बिक्री कार्यक्रम नहीं है; यह भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के संरचनात्मक सशक्तिकरण को दर्शाता है। यह इस साल के जनऔषधि सप्ताह के थीम में परिलक्षित होता है, जन औषधि सस्ती भी, भरोसेमंद भी, सेहत की बात, बचत के साथ, यह थीम लाखों लाभार्थियों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है। 18,000 से अधिक जनऔषधि केंद्रों के तेजी से बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से, योजना ने सुनिश्चित किया है कि दवाइयाँ बाजार दरों की तुलना में 50 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक की कम कीमतों पर उपलब्ध हों और सभी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों को समर्थन प्रदान करती हों। क्षेत्र सर्वेक्षणों से पता चला है कि लाभार्थी लागत बचत और दवाइयों तक

बेहतर पहुँच की सराहना करते हैं।

योजना का पैमाना इसके उत्पाद संग्रह से भी परिलक्षित होता है। जनऔषधि 2,110 दवाओं और 315 सर्जिकल उत्पादों का विस्तृत संग्रह पेश करता है, जो 29 विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों को शामिल करती है। भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के प्रत्यक्ष देखरेख में, संग्रह का विस्तार एक गतिशील, डेटा-संचालित प्रक्रिया है, जिसमें बाजार विश्लेषण, हितधारकों की भागीदारी और एक समर्पित विशेषज्ञ समिति की कठोर निगरानी शामिल हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि योजना देश की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं और औषधीय मांगों के अनुरूप विकसित होती रहे।

कठोर नियामक निरीक्षण के साथ, भारतीय दवा कंपनियां 200 से अधिक देशों के लिए भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बन गई हैं, जिसमें अमेरिका, यूके और यूरोपीय संघ जैसे अत्यधिक विनियमित बाजार भी शामिल हैं। भारतीय दवा कंपनियां लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और पूर्वी यूरोप जैसे उभरते बाजारों में भी विस्तार कर रही हैं।

यह उद्योग जैविक दवाओं के समान दवाओं (बायोसिमिलर), जैविक दवाओं के जेनेरिक प्रतिरूपों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, साथ ही जटिल जेनेरिक और विशेष दवाओं का उत्पादन करने के लिए अनुसंधान और विकास में भी अधिक निवेश कर रहा है। ये दूरदर्शी कार्यक्रम भारत को न केवल एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में, बल्कि किफायती दवाओं के क्षेत्र में भविष्य के नवाचार अग्रणी देश के रूप में भी स्थापित करते हैं।

गुणवत्ता बनाम मूल्य पर बहस कभी-कभी सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करती है। एक बहु-स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन व्यवस्था के माध्यम से,पीएमबीजेपी ने इस मिथक को प्रभावी ढंग से तोड़ दिया है कि किफायती होना निर्माण मानकों में समझौते का संकेत देता है। दवाइयाँ डब्ल्यूएचओ-जीएमपी प्रमाणित निर्माताओं से खरीदी जाती हैं, जो वैश्विक उत्पादन मानकों का पालन सुनिश्चित करती हैं। नियम निर्धारित करते हैं कि फार्मेसी की शेल्फ तक पहुंचने से पहले दवा के हर बैच का राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा स्वीकृत प्रयोगशालाओं में सख्त सत्यापन होना आवश्यक है। ये दवाइयाँ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के नियमों का पालन करती हैं और ब्रांडेड विकल्पों के सुरक्षा और प्रभावशीलता मानकों के अनुरूप हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खरीद से पहले सावधानीपूर्वक समीक्षा की जाती है और खरीद के बाद प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी, पीएमबीआई नियमित रूप से दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी और समीक्षा करती है, ताकि स्थापित विनियमों के पालन में कोई कोताही न होना सुनिश्चित किया जा सके।

एक आईटी-संचालित वितरण नेटवर्क, जिसे पांच अत्याधुनिक भंडार गृहों और देशभर के में 41 विशेष वितरकों का समर्थन प्राप्त है, ने सुनिश्चित किया है कि आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के खिलाफ सुदृढ़ बनी रहे।

तीन स्तंभों - पहुँच, गुणवत्ता और सस्ती कीमत - पर ध्यान केंद्रित करके, पीएमबीजेपी ने लाखों लोगों के चिकित्सा खर्च को काफी हद तक कम कर दिया है। निरंतर संस्थागत समर्थन, लोगों की बढ़ती जागरूकता और अवसंरचनात्मक सुधारों के साथ, हर जिले में जनऔषधि केंद्र का सपना अब दूर की आकांक्षा नहीं, बल्कि यह ठोस रूप ले चुका है और वास्तविकता के करीब है।

'विकसित भारत 2047 दृष्टि के तहत मुख्य ध्यान इस बात पर है कि हर किसी के लिए एक सुदृढ़, न्यायसंगत और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाई जाए। इसमें बेहतर अस्पताल, कम चिकित्सा खर्च, उपचार तक आसान पहुंच और सस्ती दवाओं की उपलब्धता शामिल हैं। बहु-क्षेत्रीय सहयोगों के जरिये, पीएमबीजेपी ने यह साबित किया है कि सही संस्थागत दृष्टि के साथ, स्वास्थ्य सेवा उच्च गुणवत्ता युक्त और सार्वभौमिक रूप से सुलभ दोनों हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यह परियोजना प्रगति करती रहे और किफायती स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक मॉडल के रूप में अपनी स्थिति को निरंतर बनाए रखे।

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं)

टिप्पणी

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है।

अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते-फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है। ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे। अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे।

इस बीच अलग-अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है।

फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अभी भी समय है कि वह पहले इस बारे में देश को भरोसे में ले और राजनीतिक आम सहमति तैयार करे। वरना, समझौते के प्रति उसके उत्साह पर सवाल उठते रहेंगे। उसे याद रखना चाहिए कि ट्रंप के हर मूडी एक्शन के साथ ऐसे सवाल और संगीन होते जाएंगे।

ब्लॉग

अमेरिका-इज़रायल, ईरान के भीषण युद्ध से तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर दुनिया

दीपक कुमार त्यागी

जिस दौर में पूरी दुनिया में हर देश के हुक्मरान अपने-अपने देश का सर्वांगीण विकास करने का ढिंढोरा पीट रहे हो, उस दौर में विकास के नाम पर हथियारों की एक ऐसी तेज़ दौड़ दुनिया में चल रही है, जिसने अभी तक तो कई देशों में भीषण युद्ध तक भी करवा दिया है और कई देशों को युद्ध के मुहाने पर लाकर के खड़ा कर दिया है, दुनिया भर में आधुनिक हथियारों व तकनीक के दम पर 21वीं सदी में युद्ध की तरह-तरह की पटकथाएं लिखी जा रही है। लेकिन 21वीं सदी के आधुनिक युग में दुनिया में एक सबसे बड़े सैन्य टकराव की मज़बूत नींव रखने वाले ईरान, इज़रायल और अमेरिका का महायुद्ध अगर जल्द ही नहीं रुका तो यह पूरी दुनिया के लिए बड़ा सिरदर्द बन सकता है, यह युद्ध एकबार फिर से दुनिया का नक्शा बदलने वाला साबित हो सकता है। यह युद्ध शुरुआती चंद घंटों के बाद ही भीषण युद्ध के रूप में इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुका है, मीडिया सूत्रों के अनुसार इस युद्ध में सभी पक्षों को पहले दिन से ही जान-माल का भारी नुक़सान हुआ था, जो एक हफ्ता बीतने के बाद अब भी निरंतर जारी है। युद्ध क्षेत्र से बड़े पैमाने पर लोग बहुत ही तेज़ी के साथ से विस्थापित होते जा रहे हैं, विस्थापित होते हुए इन सभी लोगों के लिए राहत व पुनर्वास कैंपों के साथ-साथ रोटी, आवास व इलाज़ आदि की व्यवस्था करना दुनिया के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अभी तक के छः दिनों के इस युद्ध में ईरान में शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ-साथ सेना के सर्वोच्च कमांडरों, सैन्यकर्मियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में आम लोग भी इस भीषण युद्ध की विभिषिका की भेंट चढ़ चुके हैं, वहीं इज़रायल व अमेरिका के साथ-साथ अन्य देशों को भी जान-माल की भारी क्षति उठानी पड़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से दुनिया के सामने आये इन मौत के आंकड़ो पर नज़र डालें तो मात्र छः दिनों के अब-तक के इस भीषण युद्ध में ईरान में 1045, लेबनान में 50, इजरायल में 11, जॉर्डन में 5, कुवैत में 4, यूएई में 3, बहरीन में 1 और ओमान में 1 मौतें हो चुकी हैं। साथ ही ईरान के प्रचंड हमले से कुवैत में स्थित अमेरिका एंबेसी में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है और जिस तेज़ी गति से यह युद्ध चल रहा है आने वाले दिनों में ईरान, इजरायल-अमेरिका के साथ-साथ यह भीषण युद्ध वैश्विक स्तर पर समीकरणों के बदलाव की एक नई नींव रख सकता है।

दुनिया के साथ-साथ आगामी दिनों में इस युद्ध का भारत पर भी जबरदस्त प्रभाव पड़ने की पूरी संभावना हैं क्योंकि युद्ध से प्रभावित अलग-अलग देशों में लगभग 1 करोड़ से भी अधिक भारतीय नागरिक फंसे हुए हैं, जिन लोगों को सुरक्षित निकाल कर भारत लाना बड़ी चुनौती है। वहीं खाड़ी देशों से जिस तरह से भारतीय बिजनेसमैन व कामगार हर माह भारी-भरकम धनराशि कमाकर भारत भेजते हैं, आने वाले दिनों में उस धनराशि में भारी कमी होने की संभावना है। वहीं तेल की कीमतों में लगती तेज़ी की आग से दुनिया के साथ भारत में भी मंहगाई का वेग बढ़ने की पूरी संभावना है और युद्ध की विभीषिका से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में में कमी होने की पूरी संभावना है, जो विकास के पथ पर बहुत ही तेज़ी से अग्रसरित भारत के लिए उचित नहीं है। वहीं जिस तरह से आधुनिक हथियारों से सुसज्जित अमेरिका सेना की एक पनडुब्बी ने हिन्द महासागर क्षेत्र में आकर के ईरानी नौसेना के जहाज़ को निशाना बनाकर के ईरान के सैकड़ों नौसैनिकों को मार डाला है, वह भारत की संप्रभुता के लिए एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण स्थिति है और भारत को भी इस युद्ध में शामिल करने की एक बड़ी साज़िश लगती है।

हालांकि भारत के साथ-साथ पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर लगी हुई हैं कि क्या आने वाले दिनों में ईरान, इज़रायल और अमेरिका के बीच कूटनीति की मेज पर इस युद्ध का कोई तात्कालिक या दीर्घकालिक समाधान निकलेगा या फिर एक दर्जन से अधिक देशों में ड्रोन व बैलिस्टिक मिसाइलों के जलते हुए घातक बारूद की तीक्ष्ण गंध आने वाले दिनों प्रतिशोध की प्रचंड ज्वाला के साथ एक और भीषण विश्वयुद्ध की पटकथा को इतिहास में दर्ज करेगी। इस युद्ध क्षेत्र के हालातों को देखकर के लगता है कि हथियारों की होड़ व प्रतिशोध की आग में मानवीय संवेदनाएं व इंसानियत का बहुत ही तेज़ी से त्याग होता जा रहा है।

हालांकि इन घातक हमलों पर ईरान कह रहा है कि मध्य-पूर्व के यह सभी इस्लामिक देश उसकी बैलिस्टिक मिसाइलों के निशाने पर इसलिए आ गए हैं, क्योंकि इन सभी देशों में अमेरिका के सैन्य बेस व जंगी जहाज मौजूद हैं, इन सभी सैन्य बेसों का उपयोग ईरान के ख़िलाफ़ इज़रायल व अमेरिका के द्वारा की गई साझा सैन्य कार्रवाई में हुआ है, इसलिए ईरान भी आत्मरक्षा के लिए खाड़ी देशों में बने इन सभी सैन्य बेसों व जंगी जहाज़ों के बेड़ों को निशाना बना रहा है, ना कि उन देशों को निशाना बना रहा है। लेकिन ईरानी हमलों के पीछे की कटु सच्चाई यह भी है कि वह अमेरिका व इज़रायल के खाड़ी देशों में बने हुए बड़े-बड़े आर्थिक प्रतिष्ठानों, डाटा सेंटरों व एंबेसी आदि को निशाना बनाकर के दुश्मन देशों को आर्थिक रूप से भारी क्षति पहुंचाने की मंशा रखता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईरानी सेना भी कह रही है कि अमेरिका और इज़रायल के द्वारा ईरान पर किए जा रहे बड़े पैमाने पर हमलों के जवाब में ईरान सेना ने भी अमेरिका व इज़रायल के पिट्ठू बने हुए कुछ खाड़ी देशों के क्षेत्र में हमले शुरू कर दिए हैं। वहीं जान-माल की भारी क्षति के बावजूद भी ईरान युद्ध भूमि में अपने घातक ड्रोन व घातक बैलिस्टिक मिसाइलों से जमकर सटीक निशाने लगा रहा है। जिन हमलों पर ईरान का शासन-प्रशासन, विदेश व रक्षा मंत्रालय और सेना के शीर्ष कमांडर लगातार कह रहे हैं कि ईरान अपनी आत्मरक्षा के लिए युद्ध भूमि में सभी सैन्य तरीक़ों का इस्तेमाल ऐसी ही करता रहेगा। जिससे ख़फ़ा होकर के ताकत के मद में चूर अमेरिका व इज़रायल ईरान के भूगोल को बदल कर के धरा से उसका अस्तित्व ही मिटाने पर अमादा है।

वहीं भीषण युद्ध के हालात में ईरानी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने अपने बयान में कहा कि ईरान अमेरिका-इज़रायल के हमलों की जवाबी कार्रवाई में 'प्रॉमिस 4' अभियान के तहत इज़रायल व अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों को निशाना बना रहा है। मीडिया सूत्रों के अनुसार ईरान के शीर्ष नेतृत्व के दिशा निर्देशों व मंशा के अनुरूप ही इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दुनिया भर में तेल खपत का पांचवां हिस्सा तेल पहुंचाने के एक महत्वपूर्ण मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' को बंद करने की घोषणा भी कर दी है। 'आईआरजीसी' ने कहा है कि ओमान और ईरान के बीच से गुजरने वाले समुद्री मार्ग 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से गुजरने वाले किसी भी जहाज को आग लगा दी जाएगी। क्योंकि ईरान अच्छे से जानता हैं कि इस मार्ग के बंद होने से तेल की वैश्विक कीमतें बहुत तेज़ी से दुनिया भर में बढ़ सकती है। जिसके चलते अमेरिका व इज़रायल पर युद्ध रोकने का दवाब बढ़ेगा। 'आईआरजीसी' के कमांडर के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल इब्राहिम जबारी ने दुनिया को चेतावनी देते हुए कहा है कि 'तेल की कीमत 81 डॉलर तक पहुंच गई है और दुनिया इसके कम से कम 200 डॉलर तक पहुंचने का इंतजार कर रही है। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' अब बंद है, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर नेवी और आर्मी में हमारे हीरो 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' से गुजरने की इच्छा रखने वाले किसी भी जहाज को आग लगा देंगे।' जो चेतावनी युद्ध से ग्रस्त क्षेत्र में उठ रही आग की प्रचंड लपटों में घी डालने का कार्य कर रही है और वैश्विक स्तर पर तीसरे विश्वयुद्ध के लिए भूमिका तैयार करने का काम कर रही है। इस भीषण युद्ध की भयावहता का अंदाजा हम मीडिया रिपोर्ट्स के माध्यम से आ रहे कुछ आंकड़ों से लगा सकते हैं, अमेरिका व इज़रायल ने छठे दिन तक ईरान के लगभग 2000 ठिकानों को निशाना बनाया है और उनके एक दिन के युद्ध में लगभग 9 हज़ार करोड़ रुपए स्वाहा हो रहे हैं। जो स्थिति दुनिया भर में मानवता व इंसानियत शांति के लिए बेहद चिंताजनक है।

बदायूं में गूगल मैप के सहारे चलाई थी कार... पुल से गिरकर 3 युवकों की मौत के मामले में इंजीनियरों पर क्या लगे आरोप?

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश में बदायूं-बरेली सीमा पर रामगंगा नदी के अधूरे पुल से कार गिरने से तीन युवकों की मौत के मामले में पुलिस जांच में बड़ा फैसला सामने आया है। जांच के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के तीन इंजीनियरों को क्लीनचिट दे दी गई है, जबकि एक अभियंता के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी की जा रही है।

यह दर्दनाक हादसा 24 नवंबर 2024 को दातागंज क्षेत्र में रामगंगा नदी पर बने अधूरे पुल पर हुआ था। कार में सवार तीन युवक गुगल मैप की मदद से रास्ता तय करते हुए पुल पर पहुंच गए, लेकिन पुल का हिस्सा अधूरा होने और मौके पर पर्याप्त बैरियर या चेतावनी बोर्ड न होने के कारण कार सीधे पुल से नीचे गिर गई। हादसे में तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

हादसे में इन युवकों की हुई थी मौत

इस हादसे में जिन तीन युवकों की मौत हुई थी, उनकी पहचान अमित कुमार निवासी मैनपुरी, विवेक कुमार निवासी फर्रुखाबाद, अजीत कुमार निवासी फर्रुखाबाद के रूप में हुई थी। तीनों युवक कार से यात्रा कर रहे थे और एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद दातागंज थाने में लोक निर्माण विभाग के चार इंजीनियरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इनमें दो सहायक अभियंता और दो जूनियर इंजीनियर शामिल थे। सहायक अभियंता मो। आरिफ, अभिषेक कुमार सहायक अभियंता और अजय गंगवार, महाराज सिंह का नाम शामिल था जोकि जूनियर इंजीनियर के रूप में काम कर रहे थे।

जांच में सामने आई यह बात

पुलिस जांच में चारों इंजीनियरों की भूमिका की जांच की गई। जांच के दौरान तीन इंजीनियरों की लापरवाही स्पष्ट नहीं पाई गई, जिसके चलते उन्हें क्लीनचिट दे दी गई। वहीं एक अभियंता की जिम्मेदारी तय होने के बाद उसके खिलाफ चार्जशीट दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

इस हादसे के बाद अधूरे पुलों पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरियर और चेतावनी बोर्ड न होने को लेकर प्रशासन और लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इसके बाद प्रशासन ने अधूरे पुलों पर सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने के निर्देश दिए थे।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की उठी मांग, राष्ट्रपति को भेजा गया ज्ञापन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। सनातन धर्म में गौ माता को सर्वोच्च स्थान देने की परंपरा का हवाला देते हुए सुल्तानपुर के सनातन समाज के लोगों ने भारत की राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन भेजकर गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग उठाई है। ज्ञापन में कहा गया है कि भारतवर्ष अपनी सांस्कृतिक पहचान, गौरवशाली इतिहास, सत्य, अहिंसा और न्याय की परंपरा के लिए विश्वभर में जाना जाता है। वेद और उपनिषद की परंपरा को धारण करने वाले इस देश में प्राचीन काल से ही गाय को मानव जीवन की रक्षक और पूजनीय माना गया है। करोड़ों हिंदू गाय में आस्था रखते हुए उन्हें मां का दर्जा देते हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश सहित देश और दुनिया में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों पर गाय को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने की चर्चा तेज हो रही है। साथ ही उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी गौ सुरक्षा, संरक्षा और सम्मान की भावना लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रपति से की गई प्रमुख मांगों में कहा गया है कि गाय को राष्ट्रमाता घोषित किए जाने के लिए देश के सभी राज्यों में जनता से जनादेश एकत्रित कराने का निर्देश दिया जाए। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में बढ़ते गोकशी के मामलों का संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को गौ हत्या पर सख्त कार्रवाई के निर्देश देने की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि ज्योर्तिमठ पीठाधीश्वर आदि शंकराचार्य जगद्गुरु स्वामी अवीमुक्तेश्वरानंद को विशेष सुरक्षा प्रदान की जाए और उनके द्वारा चलाए जा रहे गौ रक्षा महाअभियान का संज्ञान लेकर उनकी मांगों को लागू किया जाए। इसके अलावा राष्ट्रपति से अपनी विशेष शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूरे देश में गोवंशों की कटान पर पूर्ण रोक लगाने की भी मांग की गई है। इसके लिए राज्यों में नए पद सृजित कर गौ सेवा आयोग के गठन और गौ रक्षा फोर्स बनाए जाने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

'बुढ़ापे में 7वीं बार दूल्हा बनने जा रहे पापा, कोई तो रोक लो... ', बेटे ने खोली पिता की मैरिज हिस्ट्री, सुनकर पुलिस भी सन्न

आर्यावर्त संवाददाता

आजमगढ़। आमतौर पर बच्चे अपने पिता की शादी की सालगिरह मनाते हैं, लेकिन आजमगढ़ के अहरौला में एक 12वीं का छात्र अपने पिता की शादी की तैयारी रुकवाने के लिए थाने की चौखट पर खड़ा है। मामला पिता की सातवीं शादी का है, जिसे लेकर नाबालिग बेटे ने पुलिस से गुहार लगाई है- सर मेरे पापा को रोकिए, ये रुकने वाले नहीं हैं।

ये कहानी शुरू होती है आजमगढ़ के एक गांव से, जहां 55 साल के एक शख्स पर उनके ही बेटे ने गंभीर आरोप लगाए हैं। बेटे के मुताबिक, उसके पिता अब तक 6 शादियां कर चुके हैं। ट्विस्ट ये है कि शिकायतकर्ता बेटा खुद तीसरी पत्नी की संतान है।

बेटे ने बताया कि इसी साल 2024 में पिता ने छठी शादी की थी, लेकिन वो पत्नी कुछ ही दिनों में जमीन और जेवर की डिमांड कर घर छोड़कर चली गई। अब भी जनाब ने हार नहीं मानी है और 7वीं बार दूल्हा बनने चले हैं।

बेटे का दर्द सिर्फ पिता की शादियों तक सीमित नहीं है, बल्कि घर की गिरती आर्थिक स्थिति भी है। आरोप है कि बुढ़ापे में पिता सठिया गए हैं। वो 7वीं शादी का खर्च निकालने के लिए पुश्तैनी जमीन बेचने पर उतारू हैं। बेटे का दावा है कि पिता ने जमीन बेचने के लिए 50,000 रुपये एडवांस भी ले लिए हैं। हैरानी की बात यह है कि पिता पहले ही आधी जमीन गिरवी रख चुके हैं, जिसका कर्ज खुद बेटा चुकाता आ रहा है।

शादी या संपत्ति का विवाद?

जब यह मामला एसपी ग्रामीण चिराग जैन के पास पहुंचा, तो कहानी में एक और मोड़ आया। पुलिस का मानना है कि यह मामला सिर्फ मल्टीपल मैरिज का नहीं, बल्कि जमीन और संपत्ति के बंटवारे का भी हो सकता है। फिलहाल, पुलिस इस मैरिज रिकॉर्ड और जमीन के सौदे की गहराई से जांच कर रही है।

न डीजे, ना लग्जरी कार... देवरिया में बैलगाड़ी से निकली अनोखी बारात, देखने के लिए उमड़ी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया गया है। अक्सर आपने देखा होगा की शादी समारोह के शुभ अवसर पर जब बारात निकलती है तो कई लग्जरी गाड़ियों का काफिला साथ चलता है। इतना ही नहीं, डीजे भी बजता है। लेकिन भागलपुर कस्बे से एक बारात पुरानी रीति रिवाज से निकली, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। बारात भागलपुर कस्बे से सलेमपुर के चांद पाली गांव में पहुंची जहां बारात पहुंचने के बाद पूरे विधि विधान से विवाह संपन्न हुआ। इस बारात ने सबका ध्यान आकर्षित किया।

देवरिया के भागलपुर में रहने वाले वीरेंद्र यादव सेना के रिटायर्ड जवान है। उनके बेटे अभिषेक यादव की बारात जब निकलती तब वह किसी लग्जरी गाड़ी में सवार होकर दुल्हन के घर नहीं जाते हैं, बल्कि पुराने रीति रिवाज के तहत वह डोली में बैठकर दुल्हन के दरवाजे पर पहुंचते हैं। इस बारात में कई बैलगाड़ियां भी शामिल होती हैं। इन बैलगाड़ियों पर बाराती और शादी का सामान रख कर ले जाया गया। वहीं इस बारात की सुंदरता बढ़ाने के लिए घर की महिलाओं ने डांस करते हुए और मंगल गीत गाकर इस अनोखी बारात की शोभा बढ़ाई।

बारात की हो रही चारों तरफ चर्चा

वहीं इस पहल को देखकर लोगों ने इसे नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने की एक बेहद ही सुंदर कोशिश बताया। क्षेत्र के तमाम लोगों ने लड़के के पिता की प्रशंसा करते हुए उनसे यह भी कहा कि आपने हमारे संस्कृति को बढ़ाने के लिए यह अनोखा कार्य करके एक नई सीख भी प्रदान की है। वहीं इस बारात की पूरे जिले में चारों तरफ चर्चा हो रही है और इस बारात को देखने के लिए लोग सड़क पर निकल पड़े। इसकी वीडियो बनाकर कर वायरल कर दिए।

दूल्हे के पिता ने क्या कहा?

वहीं, दूल्हे के पिता ने कहा कि मेरे बड़े लड़के की शादी है। मेरे मन में एक विचार आया की पुराने संस्कृति को अपनाया जाए। दूल्हे को डोली में सवार कराकर बारात निकल जाए और बैलगाड़ी भी शामिल किया जाए, क्योंकि जो भी सामान बारातियों और शादी का सामान था। हम रखकर लेकर गए। मैंने इस संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए यह कार्य किया है, क्योंकि बहुत से बच्चों को तो यह भी नहीं पता है कि डोली क्या होती है। बैलगाड़ी कैसी होती है, इसलिए हमने कुछ अलग किया है। बारात में 7 बैलगाड़ी हैं और एक डोली है। पूरे गांव भर में डोली से परछावन हुआ है और डोली में बैठकर भी लड़की भी आएगी। इस शादी में 10 ई-रिक्शा भी शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा आप सबसे या गुजारिश है कि आप भी इस प्रचलन को अपनाकर अपने शादी विवाह के कार्यक्रम का शोभा बढ़ाएं।

भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर होगा विराट कवि सम्मेलन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या 18 मार्च 2026 बुधवार को सायं 8:00 बजे शहर के रामनरेश त्रिपाठी सभागार में 14 वां विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया गया है। जिसमें मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भारतीय नव वर्ष के महत्व पर प्रकाश डालेंगे। इस मौके पर देश के सुप्रसिद्ध कवि, गजलकार और कवियत्री ओजपूर्ण कविता, गजल व गीत प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर एक बैठक भारतीय नववर्ष आयोजन समिति के अध्यक्ष चेयरमैन न.पा.प. प्रवीन कुमार अग्रवाल के नमक मंडी स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक रामचन्द्र मिश्र, आरएसएस के नगर प्रचारक सुशील कुमार की मौजूदगी में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार हुई और व्यवस्थाओं एवं आयोजन को अभूतपूर्व बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। चेयरमैन प्रवीन कुमार अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम ऐतिहासिक ढंग से मनाया जाएगा। जिसमें जिले भर के राजनीतिक, सामाजिक संगठनों तथा प्रबुद्धजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। बैठक का समापन पूर्व जिलाध्यक्ष करुणा शंकर द्विवेदी ने किया। बैठक में आयोजन समिति के सदस्यव व पूर्व जिलाध्यक्ष करूणा शंकर द्विवेदी, विजय सिंह रघुवंशी, एमपी त्रिपाठी, कृपा शंकर मिश्रा, संजय सोमवंशी, विनोद कुमार पांडेय, कौशलेंद्र मिश्रा एड.,रजनीश मिश्रा, दिनेश चौरसिया, मनीष जायसवाल, सुजीत सिंह, अनिल द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

'तुम कुछ मत करना यार, बिट्टी का ख्याल रखना... ', मैरिज एनिवर्सरी मनाई, फिर 24 घंटे बाद पत्नी ने दे दी जान

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक 23 वर्षीय विवाहिता ने शादी की सालगिरह मनाने के ठीक 24 घंटे बाद सुसाइड कर लिया। मरने से पहले मृतका प्रियंका ने एक भावुक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने अपने पति से अपनी नन्हीं बेटी का ख्याल रखने की गुहार लगाई है।

अजमतपुर गांव के रहने वाले विशाल और प्रियंका की शादी करीब एक साल पहले हुई थी। शनिवार को दोनों ने अपनी पहली शादी की सालगिरह धूमधाम से मनाई थी। रविवार दोपहर जब घर के पुरुष काम पर गए थे और महिलाएं बकरी चराने, तभी पीछे से प्रियंका ने कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घर लौटी ननद ने जब डेढ़ महीने की बच्ची को रोते देखा और कमरे में

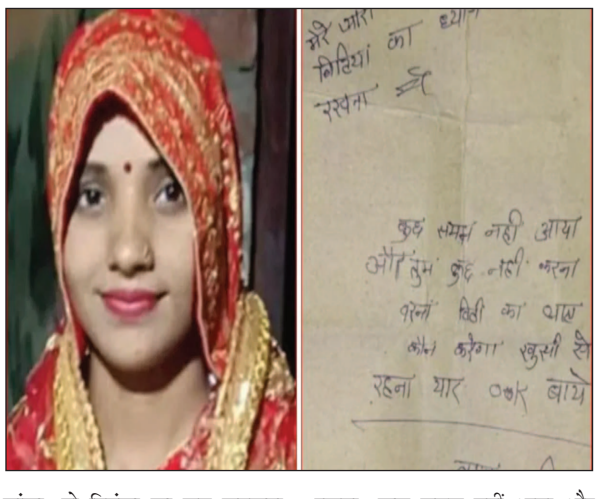

झांका, तो प्रियंका का शव लटकता मिला। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसने हर किसी की आंखें नम कर दी हैं। प्रियंका ने अपने आखिरी संदेश में लिखा- मेरी प्यारी बिटिया का ध्यान रखना। कुछ समझ नहीं आया और तुम कुछ नहीं करना, वरना बिट्टी का ख्याल कौन करेगा। खुशी से रहना यार। ओके बाय। नोट के अंत में उसने 'बाबू जी' भी लिखा है, जिसे पुलिस जांच का हिस्सा बना रही है।

हत्या या आत्महत्या?

इस घटना के बाद मायके और ससुराल पक्ष के बीच आरोपों की जंग छिड़ गई है। मृतका की मां गीता का आरोप है कि विशाल दहेज में बाइक और सोने की चेन के लिए प्रियंका को प्रताड़ित करता था और उसी ने उसकी हत्या की है। पति विशाल का कहना है कि प्रियंका मानसिक रूप से परेशान थी और इसी तनाव में उसने यह आत्मघाती कदम उठाया।

पुलिस की कार्रवाई

अतरौली थाना प्रभारी सतीश चंद्र ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर हैंडराइटिंग मिलान और जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगा कि यह मामला आत्महत्या का है या इसके पीछे कोई गहरी साजिश है।

रोजा इफ्तार पार्टी में सैकड़ो की तादात में रोजेदारों ने किया इफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा चौराहे में माहे रमजान के 19 वें रोजे के पाक महीने पर रोजा इफ्तार पार्टी का इंतेजाम किया गया। जिसमें बड़ी तादात में रोजेदारों ने शिरकत की। जहां पर रोजेदारों ने देश में अमन चैन, सौहार्द और भाईचारे मेल मिलाप बनाए रखने के लिए एक साथ मिलकर दुआएं की। जहां पर इकट्ठा हुए रोजेदारों ने एक दूसरे के साथ मिलकर रोजा इफ्तार पार्टी में रौनक बढ़ाई।

इस इफ्तार पार्टी में असगर रजा, हसीन खान, उमेर खान, अहमद खान, सिराज राइन, इकरार राइन, कैफ मलिक, नबील, कबीर, सब्बू, अयाज, जमशेद, जावेद, अशरफ गोलू, सुल्तान, सोहेल, नौशाद, रेहान, कैफ सिद्दीकी, सज्जाद खान, कबीर मलिक, जुनैद अहमद, तुफैल अहमद, मासूक अली, बेचू हाशमी, आफताब, अकबर राजा, पत्रकार सरवर हुसैन, मोनू पत्रकार सहित तमाम रोजेदार इस इफ्तार पार्टी में शामिल रहे।

मुख्यमंत्री परिवहन योजना : उत्तर प्रदेश के 12,200 गांवों को बस सेवा से जोड़ने की तैयारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना 2026 शुरू करने की तैयारी में है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के उन हजारों गांवों तक बस सेवा पहुंचाने की तैयारी है, जहां अब तक किसी भी प्रकार का नियमित सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है। सरकार का लक्ष्य करीब 12,200 से अधिक गांवों को पहली बार बस सेवा से जोड़ना है, जिससे लोगों की आवाजाही आसान हो सके।

प्रदेश में कुल लगभग एक लाख गांव हैं, लेकिन इनमें से करीब 12,200 गांव ऐसे हैं जहां बस सुविधा का अभाव है। इन गांवों को मुख्य सड़कों, ब्लॉक मुख्यालय और जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए यह योजना तैयार की गई है। सरकार का

मानना है कि परिवहन सुविधा मिलने से ग्रामीण इलाकों का सामाजिक और आर्थिक विकास तेजी से होगा।

निजी बस ऑपरेटर्स को भी शामिल किया जाएगा

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इस योजना को लागू करने के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) की बसों के साथ-साथ निजी बस ऑपरेटर्स को भी शामिल किया जाएगा। निजी ऑपरेटर्स को ग्रामीण क्षेत्रों में बस सेवा शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और उन्हें परमिट जारी करने में विशेष छूट दी जाएगी। इससे अधिक से अधिक निजी बस संचालक ग्रामीण रूटों पर सेवा देने के लिए आगे आएंगे। योजना के तहत बसों का रूट और समय भी तय किया गया है ताकि ग्रामीणों को नियमित और भरोसेमंद सेवा मिल सके। इसके अनुसार बस सुबह 6 बजे गांव से रवाना होगी और रास्ते में पड़ने वाले 15 से 20 गांवों से होते हुए ब्लॉक मुख्यालय पहुंचेगी। इसके बाद बस सुबह 10 बजे तक जिला मुख्यालय पहुंच जाएगी। वहीं वापसी के लिए बस शाम 4 बजे जिला मुख्यालय से चलेगी और रात 8 बजे तक अपने मूल गांव वापस लौट आएगी। इस प्रकार तय रूट और समय के साथ ग्रामीणों को रोजाना बस सुविधा उपलब्ध होगी।

सरकार का मानना है कि इस योजना से ग्रामीणों को कई तरह के फायदे मिलेंगे। किसानों को अपनी फसल और कृषि उत्पाद आसानी से ब्लॉक और जिला मुख्यालय के बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। इसके अलावा छात्रों को स्कूल और कॉलेज जाने में आसानी होगी, जबकि महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल, बाजार और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवहन सुविधा बढ़ने से स्थानीय बाजारों की गतिविधियां भी तेज होंगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही बस संचालन और उससे जुड़े अन्य कार्यों में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

27 से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में होने वाली कैबिनेट बैठक में इस योजना सहित 27 से अधिक प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी एजेंडे में इस योजना के अलावा कई अन्य अहम प्रस्ताव भी शामिल हैं। इनमें उच्च शिक्षा विभाग के एडेड कॉलेजों के शिक्षकों को कैशलेस इलाज और पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.10 के तहत किफायती आवास नीति, विभिन्न जिलों में शहरी विस्तार के लिए फंड जारी करना, कानपुर में गंगा नदी पर चार लेन पुल निर्माण और बुंदेलखंड पैकेज के तहत डेयरी प्लांट की स्थापना जैसे प्रस्ताव शामिल हैं।

भजन कुटी में नाबालिग से कुकर्म...वीडियो वायरल होने पर फूटा लोगों का गुस्सा, आरोपी बाबा को बीच सड़क पीटा

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में थाना जैंत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक गांव में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक भजन कुटी में रहने वाले व्यक्ति पर एक मासूम बच्चे के साथ अप्राकृतिक कुकर्म करने और उसे जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पीड़ित पिता ने पुलिस को लिखित शिकायत सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार, पीड़ति के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते 6 मार्च 2026 को उनका पुत्र घर के पास खेल रहा था। आरोप है कि गांव की लाठी वाली मढ़ी स्थित 'साधू बाबा भजन कुटी' में रहने वाले कृष्ण दास ने बच्चे को सामान मंगाने के बहाने कुटी के अंदर बुलाया।

डरा-धमकाकर किया कुकर्म

शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने मासूम को डरा-धमकाकर कुटी के अंदर बंद कर दिया और उसके साथ अप्राकृतिक कुकर्म किया। आरोपी ने बच्चे को धमकी दी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो वह उसे जान से मार देगा। डर के कारण मासूम ने कई दिनों तक घर में किसी को कुछ नहीं बताया, लेकिन उसके व्यवहार में आए बदलाव और घबराहट को देखकर जब परिजनों ने कड़ाई से पूछा, तो उसने आपबीती सुनाई।

वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप

हैरान कर देने वाली बात यह है कि इस घृणित कार्य का किसी ने वीडियो बना लिया, जो क्षेत्र में वायरल हो गया। जब यह वीडियो पीड़ित परिवार के मोबाइल तक पहुंचा, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। पीड़ति पिता ने थाना जैंत में आरोपी कृष्ण दास के विरुद्ध नामजद तहरीर दी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों में इस घटना को लेकर भारी रोष व्याप्त है। वहीं जब थाना जैंत पुलिस बाबा को पड़कर ला रही थी तभी ग्रामीणों ने बाबा की जबरदस्त तरीके से धुनाई कर दी।

घर को हमेशा रखना है साफ...बड़ों से बच्चों तक के लिए बना दें ये 5 रूल

साफ-सुथरा और ऑर्गेनाइज हो तो न सिर्फ देखने में अच्छा लगता है बल्कि ये आपकी सेहत के लिए भी बेहद जरूरी है। कई बार लोगों को ये शिकायत होती है कि अभी तो घर साफ किया था और दोबारा सब कुछ मैसी दिखने लगा। ऐसे में आपको कुछ रूल्स बनाने की जरूरत है।

साफ-सफाई और हेल्थ का सीधा कनेक्शन होता है। इसी तरह से ऑर्गेनाइज हो तो आपका मूड भी सही रहता है। बहुत ज्यादा बिखरी हुई चीजें देखकर कई बार खीझ हो जाती है। अचानक कोई मेहमान आ जाएं तो भी इस वजह से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। घर जल्दी गंदा और अव्यवस्थित दिखाई देने के पीछे की वजह होती है दरअसल इसके पीछे की वजह होती है घर में सही रूल्स न बने होना। आपके यहां भी अगर इसी तरह की समस्या बनी रहती है तो जान लें कि कौन सी कुछ आसान आदतें डेली रूटीन में अपनाकर आप अपने घर को हमेशा साफ-सुथरा और ऑर्गेनाइज बनाए रख सकते हैं।

घर को साफ और व्यवस्थित रखना आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ के लिए तो जरूरी होता ही है, इसके अलावा व्यवस्थित घर में चीजें सही जगह पर आसानी से मिल जाती हैं, जिससे आपके समय और एनर्जी दोनों की ही बचत होती है। तो चलिए जान लेते हैं कि कौन से रूल्स आपके घर को व्यवस्थित और साफ-सुथरा बनाए रखते हैं।

हर चीज के लिए तय जगह

घर में सामान बिखरा हुआ दिखाई देने की वजह होती है कि किसी भी चीज को रखने के लिए कोई एक निश्चित जगह नहीं होती है। ऐसे में आपको ये रूल बनाना चाहिए कि हर कोई जो सामान जहां से उठाएगा उसे वापस वहीं पर रखा जाना चाहिए। जैसे मोजे रखने के लिए एक ऑर्गेनाइजर होना चाहिए। जिसमें एक गंदे सॉक्स रखने का बकेट या बॉक्स अलग रखें। इसी तरह से बच्चों के स्कूल की चीजें जैसे बुक्स, कॉपी, बैग के लिए अलग से रैक बनाएं।

फुटवियर के लिए तय जगह

अपने घर में आप ये तय करें कि कोई भी जूते-चप्पल पहनकर घर के अंदर न जाए, क्योंकि इससे गंदगी के साथ बैक्टीरिया भी घर के अंदर पहुंचते हैं। इसी के साथ ये भी तय करें कि एक सही जगह होनी चाहिए जहां फुटवियर उतारकर रखें जाएं। ये बात बच्चों से लेकर बड़ों तक को पता होना जरूरी है। इसके लिए आप जरूरत के मुताबिक सही आकार की शू रैक ले सकते हैं जो दरवाजे के पास रखी हो।

अपने कुछ काम खुद करें

घर को साफ और व्यवस्थित रखने का एक रूल ये भी है कि आप ये नियम बनाएं कि कुछ छोटे-छोटे काम फैमिली मेंबर्स खुद ही करें। जैसे नहाने के बाद इनर वियर तुरंत खुद ही धो लें। जागने के बाद अपना बिस्तर तुरंत सही करें। अपने कोई भी सामान खुद ही व्यवस्थित करें।जैसे बैग, चाबियां, चार्जर, पानी पीने की बोतल, इधर-उधर टेबल पर न डालें। अगर छोटी बाउल में कुछ खाया हो तो वो तुरंत साफ करके रख दें। इसके अलावा जैसे गीला तौलिया सोफा या टेबल पर न फेंके, बल्कि सूखने के लिए डाल दें।

सभी सदस्यों को जिम्मेदारी

घर को साफ रखना सिर्फ किसी एक की जिम्मेदारी नहीं होती है। ऐसे में कोशिशे करने के बाद भी आप घर को सही तरह से व्यवस्थित नहीं रख सकते। घर के सभी लोगों को जिम्मेदारी दें। जैसे अपने कमरे के बाथरूम को खुद ही क्लीन कर लेना। रसोई के काम जल्दी निपट जाएं। इसके लिए सब्जी कटिंग का काम कोई एक कर ले तो दूसरा किचन के डिब्बे-बॉक्स को व्यवस्थित करके किचन काउंटर साफ कर दे।

पुराना सामान हटा दें

फास्ट फैशन फॉलो करना, ट्रेंड के चलते नया सामान खरीद लेना जैसी वजह होती हैं कि घर में पुरानी चीजें इकट्ठा होती चली जाती हैं। कई बार पुराने पड़े चार्जर के डाटा केवल, खराब इलेक्ट्रॉनिक का सामान भी मेस क्रिएट कर देता है। ऐसी सारी चीजों को समय-समय पर हटाते रहना चाहिए और इसके लिए भी घर में एक जगह निश्चित कर दें।

गर्मियों में ऐसे रखें बालों का ख्याल, तेज धूप से न हो जाएं हेयर डैमेज

गर्मियों का मौसम बालों के लिए चैलेंजिंग माना जाता है। तेज धूप, पसीना की वजह से बैक्टीरिया पनपना, धूल चिपक जाना जैसी वजह होती हैं कि बाल रूखे, बेजान और बहुत जल्दी ऑयली दिखाई देने लगते हैं। ऐसे में अगर आप अभी से अपने हेयर केयर रूटीन में थोड़ा चेंज करें तो समर सीजन में भी आपके बाल सॉफ्ट और शाइनी बने रहेंगे। इस आर्टिकल में एक सिंपल समर हेयर केयर रूटीन के बारे में जानेंगे जो गर्म मौसम में आपके बालों को हेल्दी बनाए रखने और डैमेज से बचाने में हेल्पफुल रहेगा।

जैसे-जैसे टेम्परेचर बढ़ता है तो हम अपने खानपान के साथ कपड़े पहनने के तरीकों के साथ ही हैवी क्रीमी मॉइस्चराइजिंग प्रोडक्ट को छोड़कर हम अक्सर अपनी भारी विंटर मॉइस्चराइज़र को छोड़कर लाइट वेट क्रीम यूज करने लगते हैं, लेकिन हम अपने बालों को अनदेखा कर देते हैं।तेज गर्मी बालों से नमी को कम करती है, जिससे आपके बालों की चमक कम होने लगती है। चलिए जान लेते हैं कैसे अपने बालों को गर्मियों में हेल्दी रखें।

बालों को करें हाइड्रेटेड

गर्मी में तेज धूप की वजह से बालों के सिरों पर ज्यादा ड्राईनेस होती है और इसी वजह से शाइन कम हो जाती है। ऐसे में आपको हाइड्रेटिंग हेयर मास्क कम से कम हफ्ते में एक बार वीकेंड के दिन लगाना चाहिए। इसके लिए आपको ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती है। बस दही, एलोवेरा और कुछ गुड़हल के फूल (ड्राई या फ्रेश दोनों ही सकते हैं)। इन तीन चीजों को एक साथ ग्राइंड कर लें और पेस्ट बनाकर स्कैल्प से सिरों तक लगाएं। 30 मिनट के बाद हेयर वॉश कर लें।

बालों को धूप से बचाएं

तेज धूप न सिर्फ त्वचा को बल्कि आपके बालों को भी कमजोरी बनाती है। इससे बालों के बीच से टूटने और दोमुंहे होने की समस्या हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने बालों को सीधी धूप से बचाएं। इसके लिए बाहर निकलने के दौरान आप स्कार्फ या दुपट्टा सिर पर ले सकते हैं या फिर छाता का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा होता है। बहुत टाइट हेयर स्टाइल से बचना चाहिए।

रोज शैम्पू करने से बचें

बहुत सारे लोग गर्मियों में पसीने की वजह से रोजाना बाल धोना शुरू कर देते हैं, लेकिन इससे आपके बालों से नेचुरल तेल हट जाता है और बाल रूखे हो जाते हैं। समर सीजन में आप बालों को रोजाना धोने की बजाय एक अच्छे सीरम का यूज करें। इससे बाल फ्रिजी भी नहीं होते हैं और बालों पर एक सेफ्टी लेयर भी बन जाती है, जिससे हेयर डैमेज से बचाव होता है। जरूरत पड़ने पर हल्के शैंपू से बाल धोना चाहिए।

लाइट वेट ऑयल

सर्दियों की तरह ही गर्मियों में भी आपके बालों को ऑयलिंग की जरूरत होती है ताकि नमी बनी रहे, लेकिन दो बातों का ध्यान रखना जरूरी है। पहली आप हल्के तेलों का इस्तेमाल करें, जैसे जोजोबा ऑयल, बादाम का तेल। इसके अलावा बाल धोने के सिर्फ 1 घंटे पहले ही हेयर ऑयलिंग करना सही रहता है। ओवरनाइट तेल न लगाएं।

'स्किनिफिकेशन' है नया हेयर केयर ट्रेंड

हेयर केयर में अब एक नया ट्रेंड है 'स्किनिफिकेशन', जब धूल, पसीना स्कैल्प पर ज्यादा जमा हो जाए तो हैवी क्रीम की बजाय टोनर का यूज करना चाहिए। जैसे गुड़हल को उबालकर उसके पानी शैंपू के बाद हेयर वॉश करना। चावल के पानी से बालों को धोना। इससे बालों को पोषण भी मिलता है और सिर की त्वचा की पीएच बैलेंस करने में भी हेल्प मिलती है। नेचुरली बालों को कंडीशन करने के लिए शैंपू के बाद गीले बालों में एलोवेरा जेल लगाकर 5 मिनट के बाद सादा पानी से बाल धो लें।

फैब्रिक सिकुड़ना, रंग फीका होना...कपड़े धोते वक्त ये 5 गलती तो नहीं करते हैं आप

कभी-कभी, धोने के बाद आपके कपड़े सिकुड़े हुए नजर आते हैं या तो उनका रंग बहुत जल्दी फीका पड़ने लगता है। इसके पीछे की वजह होती है कपड़ों की धुलाई में गलती करना। अगर आप अपने लॉन्ड्री रूटीन के दौरान कुछ छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखें तो इससे कपड़ों पर सिलवटे नहीं दिखती हैं और लंबे समय तक ये नए जैसे बने रहते हैं।

हर बार कपड़े धोने के बाद अगर आपको भी हर कपड़ा प्रेस करने की जरूरत पड़ती है यानी कपड़ो पर बहुत ज्यादा सिलवटें पड़ जाती हैं तो हो सकता है कि आप क्लोथ वॉशिंग में गलतियां कर रहे हो। इसी तरह से कपड़ों की रंगत बहुत जल्दी फेड हो जाता है तो कई बार वॉशिंग मिस्टेक भी इसकी वजह हो सकती हैं। कुछ कपड़ों को उन पर दिए निर्देशों को मुताबिक ही धोना चाहिए, लेकिन इसके अलावा भी कपड़ों को मशीन में डालने से लेकर हाथ से धोने और सुखाने तक हमें कई छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखने की जरूरत होती है ताकि आपके कपड़े लंबे समय तक टिके रहें और देखने में भी फ्रेश लगें।

आपने कभी नोटिस किया होगा कि कुछ लोगों के कपड़े कई महीने यहां तक कि एक साल बाद तक नए दिखाई देते हैं, जबकि कुछ लोगों के कपड़े जल्दी ही पुराने लगने लगते हैं। इसके पीछे की वजह न सिर्फ कपड़ों की क्वालिटी होती है, बल्कि देखभाल के तरीके पर भी ये निर्भर करता है कि आपका पसंदीदा अटायर कब तक फ्रेश और नया बना रहेगा। चलिए जान लेते हैं कुछ लॉन्ड्री मिस्टेक्स।

वॉशिंग मशीन ओवरलोड करना

क्या आप भी ये गलती करते हैं कि वॉशिंग मशीन में थोड़े ज्यादा कपड़े होने पर एक साथ ही धोने के लिए डाल देते हैं। दरअसल जब वॉशिंग मशीन में या फिर ड्रायर में बहुत ज्यादा कपड़े भर देते हैं तो इसे घूमने की जगह नहीं मिलती है। इससे कपड़े आपस में उलझ जाते हैं और धोने-सूखने के प्रोसेस में न सिर्फ फैब्रिक के रेशों पर खिंचाव पड़ता है, बल्कि सिलवटें भी आ जाती हैं। मशीन पर दी गई जानकारी के मुताबिक ही उसे लोड करें।

कपड़े अलग करके न धोना

लॉन्ड्री की कॉमन मिस्टेक में से एक है सारे कपड़ों को साथ ही धोने के लिए डाल देना। न सिर्फ आपको रंग के हिसाब से कपड़े अलग करने चाहिए, बल्कि फैब्रिक के मुताबिक भी अलग-अलग धोएं। जब मुलायम फैब्रिक को आप भारी फैब्रिक जैसे जींस के साछ डालते हैं तो तेज रगड़ लगती है और आपका कपड़ा जल्दी पुराना दिखाई देने लगता है। इसके अलावा हर फैब्रिक के हिसाब से हल्का या भारी डिटर्जेंट यूज करने की जरूरत होती है। इसलिए कपड़े अलग-अलग ही मशीन में लोड करें।

धोने के बाद सूखने न डालना

अगर आप कपड़े धोने के बाद पानी निचोड़कर ऐसे ही कुछ देर के लिए पड़ा रहने देते हैं तो आपकी ये गलती कपडों में सिकुड़न की वजह बनती है। दरअसल रखे-रखे कपड़ों में वैसी ही सिलवटें बन जाती हैं। अगर आपने कपड़े हाथ से निचोड़े हैं तो भी तुरंत उसको हल्का सा झटककर हैंगर पर लटका देना चाहिए और अगर ड्रायर में सुखाए हैं तो भी कपड़े तुरंत बाहर निकाल लें।

लंबे समय तक भिगोकर रखना

कपड़ों की मैल अच्छी तरह से निकल जाए, इसके लिए आप भी कपड़ों को डिटर्जेंट वाले पानी में भिगोकर रखते हैं तो इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बहुत ज्यादा लंबे समय तक इसे ऐसे ही न छोड़ें। अक्सर लोग ओवरनाइट कपड़ों को भीगा रहने देते हैं। इससे गंदगी के साथ ही कपड़ों की रंगत भी फीकी पड़ सकती है। 1 से 2 घंटे तक कपड़े भिगोकर रखना काफी होता है।

ज्यादा गर्म पानी का यूज करना

कपड़ों की गहराई से सफाई के लिए लोग गर्म पानी का यूज करते हैं, लेकिन इसमें भी टेम्परेचर का ध्यान रखने की बहुत जरूरत होती है। तेज गर्म पानी की वजह से आपके कपड़े सिकुड़ जाते हैं। इसका फैब्रिक कमजोर हो जाता है और रंगत भी जल्दी फीकी हो जाती है, जिससे महंगा कपड़ा भी कम ही समय में पुराना दिखाई देने लगता है।

चैटजीपीटी को टक्कर देने वाली कंपनी का धमाका, अब घर बैठे फ्री में सीखें एआई के ये धांसू कोर्स

अगर आप भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की दुनिया में अपना करियर बनाने का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद शानदार खुशखबरी है। एआई एलएलएम मॉडल 'क्लॉड' नाने वाली मशहूर कंपनी एंथ्रोपिक ने यूजर्स के लिए अपना खजाना खोल दिया है। कंपनी ने लोगों को एआई के साथ काम करने का बेहतरीन तरीका सिखाने के लिए कई सारे ऑनलाइन एआई कोर्स बिल्कुल फ्री में लॉन्च कर दिए हैं। इस बड़ी पहल का सीधा मकसद स्टूडेंट्स, प्रोफेशनल्स और आम लोगों को बिना एक भी पैसा खर्च किए प्रैक्टिकल एआई स्किल्स सिखाकर उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना है।

एंथ्रोपिक एकेडमी की शानदार शुरुआत, अपनी स्पीड से करें पढ़ाई

कंपनी ने इस फ्री ट्रेनिंग प्रोग्राम को 'एंथ्रोपिक एकेडमी' नाम के एक नए लर्निंग प्लेटफॉर्म के तहत शुरू किया है। इस प्लेटफॉर्म को एक सेंट्रल हब के तौर पर डिजाइन किया गया है, जहां यूजर्स बिना कोई भारी-भरकम फीस दिए सीधे एआई ट्रेनिंग प्रोग्राम का हिस्सा बन सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह से एक ऑनलाइन लर्निंग सिस्टम पर आधारित है, जिसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यूजर्स अपनी सुविधा और स्पीड के हिसाब से जब चाहें तब पढ़ाई कर सकते हैं।

यह प्रोग्राम स्टूडेंट्स, टीचर्स और डेवलपर्स को एआई टूल्स का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करना सिखाएगा।

कोर्स पूरा करने पर मिलेगा कंपनी का सर्टिफिकेट, करियर को मिलेगी नई उड़ान

इन फ्री कोर्सेस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पढ़ाई पूरी होने के बाद कंपनी की तरफ से आपको एक शानदार सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। इस सर्टिफिकेट को आप अपनी एआई प्रोफेशनल स्किल्स के तौर पर अपने रिज्यूमे या लिंक्डइन प्रोफाइल पर दिखा सकते हैं, जिससे आपको नौकरी पाने में बड़ी मदद मिलेगी। कंपनी का साफ कहना है कि आज के समय में एआई हर इंडस्ट्री की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है, इसलिए उनका मुख्य लक्ष्य एआई एजुकेशन की पहुंच को हर आम इंसान तक आसान बनाना है।

बिगिनर्स से लेकर डेवलपर्स तक, पैराग्राफ में समझिए कौन-से कोर्स हैं उपलब्ध

कंपनी ने बिगिनर्स से लेकर एडवांस डेवलपर्स तक, सभी के स्किल लेवल को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग लर्निंग ट्रैक डिजाइन किए हैं। इनमें सबसे पहला 'क्लाउड 101' कोर्स है, जो उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो बिल्कुल शुरुआत से समझना चाहते हैं कि क्लाउड आखिर काम कैसे करता है। इसके अलावा एजुकेटर्स, स्टूडेंट्स और नॉन-प्रॉफिट संस्थाओं के लिए 'एआई फ्लूएंसी' नाम का खास कोर्स है जो एआई के रोजमर्रा के प्रैक्टिकल इस्तेमाल पर फोकस करता है। वहीं, कोडिंग करने वाले डेवलपर्स के लिए 'बिल्डिंग विद क्लाउड एपीआई' और 'मॉडल कॉन्टेक्स्ट प्रोटोकॉल' जैसे एडवांस कोर्स पेश किए गए हैं, ताकि वे मॉडल्स का सही इस्तेमाल करने के साथ-साथ बाहरी टूल्स को क्लाउड से जोड़ना भी सीख सकें।

तुरंत करें फ्री रजिस्ट्रेशन, जानिए क्या है एनरोलमेंट का पूरा प्रोसेस

एंथ्रोपिक की इस शानदार पहल का हिस्सा बनने के लिए आपको किसी लंबे-चौड़े प्रोसेस से नहीं गुजरना है। इच्छुक लोग बस एंथ्रोपिक के ऑनलाइन ट्रेनिंग पोर्टल पर जाकर अपना एक फ्री अकाउंट बना सकते हैं। साइन अप की प्रक्रिया पूरी करने के बाद, यूजर्स वहां मौजूद सभी कोर्सेस को ब्राउज कर सकते हैं, अपनी पसंद का कोई भी लर्निंग ट्रैक चुन सकते हैं और तुरंत अपनी एआई की पढ़ाई शुरू कर सकते हैं। कंपनी को उम्मीद है कि इस फ्री ट्रेनिंग से ऐसा वर्कफोर्स तैयार होगा जो रिसर्च, एजुकेशन और बिजनेस ऑपरेशन में एआई का जिम्मेदारी से इस्तेमाल कर सकेगा।

मिडिल ईस्ट तनाव से कीमती धातुओं में उछाल, सोना 1.70 लाख के करीब तो चांदी 3 लाख की ओर

मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के कारण निवेशकों ने सुरक्षित निवेश (सेफ-हेवन) के रूप में कीमती धातुओं (सोना-चांदी) में खरीदारी का रुख किया, जिससे इस सप्ताह भी सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली, साथ ही व्यापक कमोडिटी बाजार में अस्थिरता भी बढ़ी।

हालांकि दिन के दौरान कुछ समय कीमतों में हल्की गिरावट और मुनाफावसूली देखने को मिली, लेकिन कुल मिलाकर सोने और चांदी की कीमतों का रुझान अभी भी मजबूत और तेजी वाला बना हुआ है।

एमसीएक्स पर 2 अप्रैल की डिलीवरी वाले गोल्ड फ्यूचर्स में तेजी जारी रही और कीमतें 1,65,000 रुपए के रेजिस्टेंस स्तर को पार कर 1,69,880 रुपए तक पहुंच गईं। हालांकि शुक्रवार को कारोबार के अंत में सोना लगभग स्थिर रहा और 1,61,675 रुपए पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से थोड़ा कम था।

वहीं, एमसीएक्स पर 5 मई की डिलीवरी वाले सिल्वर फ्यूचर्स में भी तेजी का रुख जारी रहा। चांदी की कीमत 2,85,000 रुपए के स्तर को पार कर लगभग 3,00,000 रुपए के करीब पहुंच गई। बाजार में इस दौरान काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के अनुसार, सोना और चांदी दोनों रिकॉर्ड स्तर के करीब पहुंचने के बाद इनमें हल्की गिरावट देखने को मिली, जबकि आपूर्ति बाधित होने की आशंका के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण ब्रेकआउट स्तरों के आसपास ट्रेडरों की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन बाजार में अधिक अस्थिरता को देखते हुए जोखिम प्रबंधन पर ध्यान देना जरूरी है।

एक्सपर्ट के अनुसार, तकनीकी संकेतक बताते हैं कि सोने की कीमतों में तेजी का रुझान बना हुआ है। अगर सपोर्ट स्तर मजबूत रहता है तो सोना 1,70,000 रुपए तक पहुंच सकता है।

हालांकि यदि कीमत 1,57,000 रुपए से नीचे जाती है, तो गिरावट बढ़कर 1,50,000 रुपए तक जा सकती है। एक्सपर्ट का कहना है कि 2,55,000 से 2,65,000 रुपए का दायरा चांदी के लिए मजबूत मांग क्षेत्र बन चुका है। यदि तेजी जारी रहती है तो कीमत 3,00,000 से 3,05,000 रुपए तक जा सकती है।

लेकिन यदि कीमत 2,60,000 रुपए से नीचे आती है, तो कुछ समय के लिए बाजार में स्थिरता या हल्की गिरावट देखी जा सकती है।

इस सप्ताह अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कॉमेक्स गोल्ड फ्यूचर्स मजबूत रहे और 5,158 से 5,181 डॉलर के दायरे में कारोबार करते दिखे, जो पिछले बंद स्तर 5,078 से 5,099 डॉलर से अधिक है।

वहीं, कॉमेक्स सिल्वर फ्यूचर्स में भी अच्छी तेजी देखी गई और यह लगभग 84.31 डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसका उच्चतम स्तर 85.34 डॉलर और न्यूनतम स्तर 81.79 डॉलर रहा।

कतर के ऊर्जा मंत्री की चेतावनी, अगर युद्ध जारी रहा तो कच्चा तेल कुछ हफ्तों में 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी है कि मध्य पूर्व में युद्ध कुछ दिनों तक जारी रहने से खाड़ी देशों के निर्यातकों को अप्रत्याशित स्थिति (फोर्स मेज्योर) घोषित करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिससे आपूर्ति रुक जाएगी और कुछ ही हफ्तों में तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल और प्राकृतिक गैस की कीमत 40 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू (मीट्रिक मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट) तक पहुंच जाएगी।

कतर के मंत्री ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा,जिन देशों ने अभी तक फोर्स मेज्योर घोषित नहीं किया है, हमें उम्मीद है कि स्थिति जारी रहने पर वे अगले कुछ दिनों में ऐसा करेंगे। खाड़ी क्षेत्र के सभी निर्यातकों को फोर्स मेज्योर घोषित करना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो उन्हें किसी न किसी बिंदु पर कानूनी रूप से उस दायित्व का भुगतान करना होगा, और यह उनकी पसंद है। मंत्री ने कहा कि अगर टैंकर और अन्य जहाज जलडमरूमध्य से गुजरने में असमर्थ रहे तो कच्चे तेल की कीमतें दो से तीन सप्ताह के भीतर 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं, जबकि प्राकृतिक गैस की कीमतें चार गुना बढ़ सकती हैं।

ब्रेंट क्रूड वायदा में इस सप्ताह 20 प्रतिशत की तेजी आई है, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शुक्रवार को ब्रेंट 3 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 89 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि डब्ल्यूटीआई 5 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 86 डॉलर पर पहुंच गया। दोनों बेंचमार्क अप्रैल 2024 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दुनिया में लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक कतर, इस सप्ताह ईरान के ड्रोन हमले में अपने रास लाफान एलएनजी प्लांट पर हुए हमले के बाद अप्रत्याशित आपातकाल (फोर्स मेज्योर) घोषित कर चुका है। यह संयंत्र देश का सबसे बड़ा एलएनजी प्लांट है और इसमें हुए नुकसान का आकलन करने के प्रयास जारी हैं। मंत्री ने बताया कि हमले तुरंत बंद होने पर भी, रसद संबंधी बाधाओं के कारण सामान्य निर्यात परिचालन बहाल करने में हफ्तों से महीनों का समय लग सकता है। उन्होंने कहा कि कतर के 128 एलएनजी वाहक जहाजों में से केवल छह या सात ही वर्तमान में माल लादने के लिए उपलब्ध हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, कम से कम 10 जहाजों पर हमले की खबरों और बीमा कंपनियों द्वारा प्रीमियम में भारी वृद्धि के बाद, शिपिंग कंपनियां इस क्षेत्र से जहाज भेजने में हिचकिचा रही हैं।

ईरान का खतरनाक प्लान हुआ फेल?: अमेरिकी एजेंसी का दावा- स्लीपर सेल को सक्रिय करने का खुफिया संदेश पकड़ा

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब ग्यारहवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच अब अमेरिका के खुफिया एजेंसियों का बड़ा दावा सामने आया है। दावा यह किया जा रहा है कि दोनों तरफ से बढ़ते हमलों के बीच अमेरिका की खुफिया एजेंसियों ने एक कोडेड संदेश पकड़ा है। इस संदेश को ईरान से भेजा गया बताया जा रहा है।

अमेरिका के अधिकारियों का कहना है कि यह संदेश विदेशों में पहले से मौजूद स्लीपर सेल यानी छिपे हुए एजेंट को सक्रिय करने के लिए हो सकता है। बताया जा रहा है कि यह संदेश 28 फरवरी को आया। यह वही दिन था जब अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातल अली खामेनेई की मौत हो गई थी। खुफिया एजेंसियों का कहना है कि इस समय ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया था।

समझिए क्या होता है स्लीपर सेल?

बता दें कि स्लीपर सेल वे गुप्त लोग होते हैं जो किसी देश के अंदर या बाहर पहले से रहते हैं। ये आम तौर पर शांत रहते हैं और किसी भी काम में नहीं आते। लेकिन अगर उन्हें कोई संकेत या आदेश मिलता है तो ये अचानक सक्रिय होकर कोई मिशन पूरा कर सकते हैं।

संदेश में किन-किन बातों का दावा किया गया?

कथित ईरान के संदेश को लेकर किए जा रहे दावे कुछ इस प्रकार हैं-

यह संदेश एन्क्रिप्टेड था। मतलब, इसे केवल वे लोग पढ़ सकते हैं जिनके पास इसका कोड है।

संदेश कई देशों में भेजा गया। इसके लिए एक नया रेडियो स्टेशन का इस्तेमाल हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित होता है।

अभी तक इस संदेश का पूरा मतलब नहीं पता चला है। लेकिन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

दावों पर अमेरिका ने क्या कहा?

खुफिया एजेंसियों के इन दावों के बाद अमेरिका ने सभी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे असामान्य रेडियो संकेतों और गतिविधियों पर नजर रखें। इसके साथ ही कुछ अमेरिकी शहरों जैसे लॉस एंजेलिस, न्यूयॉर्क और मियामी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। ऐसे में सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्लीपर सेल सच में सक्रिय हुआ तो यह संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य देशों में हमलों का खतरा बढ़ा सकता है। लेकिन फिलहाल कोई भी जगह या लक्ष्य निश्चित नहीं है।

सोशल मीडिया पर ईरानी हमलों का मना रहे थे जश्न, बहरीन में पांच पाकिस्तानी और एक बांग्लादेशी गिरफ्तार

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच बहरीन की सुरक्षा एजेंसियों ने सोशल मीडिया पर ईरान समर्थक पोस्ट और वीडियो साझा करने के आरोप में छह विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारियों में एक बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद इसराफिल मीर और पांच पाकिस्तानी नागरिक शामिल हैं। स्थानीय मीडिया और बहरीन न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई आंतरिक मंत्रालय और देश की जनरल डायरेक्टरेट ऑफ एंटी-करप्शन एंड इकोनॉमिक एंड इलेक्ट्रॉनिक सिक्योरिटी की जांच के बाद की गई। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि गिरफ्तार लोग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ईरान के समर्थन में भ्रामक वीडियो और पोस्ट साझा कर रहे थे। उन्होंने कथित तौर पर कुछ स्थानों पर हमलों की वीडियो फुटेज रिकॉर्ड की और ऑनलाइन फैलाया, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता था और आम जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास हुआ। छह एशियाई नागरिकों की पहचान इस गतिविधि में की गई। मंत्रालय ने कहा कि गिरफ्तार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और उनके मामलों को पब्लिक प्रॉसिक्यूशन को भेजा गया है। ईरान से संबंधित संघर्ष के पड़ोसी देशों तक फैलने के बाद, बहरीन की एजेंसियों ने ऑनलाइन उत्तेजक या भड़काऊ सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए निगरानी बढ़ा दी है।

ईरान में स्कूल-रिहायशी इमारतों को निशाना बना रहा अमेरिका

तेहरान, एजेंसी। ईरान के मध्य स्थित शहर खोमेयन में एक शैक्षणिक संस्थान पर अमेरिकी मिसाइल हमले की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह हमला डॉ. हाफिज खोमेइनी स्कूल पर हुआ। कतर आधारित मीडिया नेटवर्क अल जजीरा ने ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी के हवाले से बताया कि विस्फोट से स्कूल के आसपास स्थित कई रिहायशी इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि अब तक किसी के हताहत होने की तत्काल पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान के गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में गई 170 लोगों की जान

यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब हाल ही में दक्षिणी ईरानी शहर मिनाब में एक गर्ल्स स्कूल पर हुए कथित अमेरिकी मिसाइल हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच की मांग उठ रही है। उस हमले में कम से कम 170 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें अधिकांश छात्राएं बताई गई थीं।

इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने सख्त बयान जारी करते हुए कहा कि अमेरिका या किसी अन्य देश को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि युद्ध कब खत्म होगा। आईआरजीसी ने कहा कि युद्ध का अंत हम तय करेंगे और क्षेत्र का भविष्य अब हमारी सशस्त्र सेनाओं के हाथ में है।

ईरान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह युद्ध की वास्तविक स्थिति छिपाने के लिए भ्रामक बयान दे रहे हैं। IRGC के प्रवक्ता ने दावा किया कि अमेरिकी सैन्य संसाधन ईरानी हमलों से बचने के लिए क्षेत्र से 1000 किलोमीटर से अधिक दूर हट गए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान के पास पहले से अधिक शक्तिशाली मिसाइलें मौजूद हैं, जिनमें कुछ के वारहेड का वजन एक टन से अधिक है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि अगर संघर्ष जारी रहा तो वह शत्रु देशों को क्षेत्र से एक लीटर तेल भी निर्यात नहीं होने देगा। यह बयान वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए गंभीर संकेत माना जा रहा है।

ट्रंप ने ईरान को दी धमकी

दूसरी ओर, ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कड़ा रुख दिखाते हुए कहा कि अगर ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति को बाधित करने की कोशिश की तो अमेरिका बीस गुना ज्यादा ताकत से जवाब देगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अमेरिका ऐसे लक्ष्यों को निशाना बना सकता है जिन्हें आसानी से नष्ट किया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे कूटनीतिक प्रयास

इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कूटनीतिक प्रयास भी तेज हुए हैं। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को ट्रंप से फोन पर बातचीत कर क्षेत्रीय नेताओं और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से चर्चा के बाद तेज राजनीतिक और कूटनीतिक समाधान के कुछ सुझाव दिए। उधर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि फ्रांस और उसके सहयोगी देश हॉर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित रखने के लिए एक पूरी तरह रक्षात्मक मिशन की तैयारी कर रहे हैं। यह जलमार्ग बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत कच्चे तेल का परिवहन इसी रास्ते से होता है।

ईरान में हो रही तेजाबी बारिश, इस्राइल–अमेरिका हमलों का दिखा खतरनाक असर, विशेषज्ञों ने जताई चिंता

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सप्ताहांत में तेल डिपो पर हुए अमेरिका-इस्राइल के हवाई हमलों के बाद कुछ इलाकों में काली बारिश होने की खबरें सामने आ रही हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में इसे एसिड रेन बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बारिश का पानी काला दिखाई दे रहा है और उसमें तेल जैसी परत भी देखी जा रही है, जो इमारतों और वाहनों पर जम रही है। कुछ लोगों ने सिरदर्द और सांस लेने में दिक्कत की शिकायत भी की है। ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने भी चेतावनी दी है कि इन हमलों के बाद होने वाली बारिश बेहद खतरनाक और अम्लीय हो सकती है।

वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और वायु प्रदूषण पर काम करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है कि यह स्थिति केवल सामान्य एसिड रेन तक सीमित नहीं हो सकती, बल्कि इसमें कई

खतरनाक प्रदूषक शामिल होने की आशंका है। उनके अनुसार अधिक गंभीर स्थिति हो सकती है।

काली बारिश क्यों हो रही है?

वायुमंडल से प्रदूषकों को हटाने का एक प्रमुख तरीका बारिश है। जब हवा में बड़ी मात्रा में प्रदूषक मौजूद होते हैं तो बारिश की बूंदें उन्हें अपने साथ लेकर जमीन पर ले आती हैं। तेल डिपो पर हमले के बाद वातावरण में भारी मात्रा में धुआं और प्रदूषक फैल गए होंगे। इसी कारण बारिश की बूंदें इन प्रदूषकों को अपने साथ लेकर नीचे गिर रही हैं, जिससे काली बारिश की स्थिति बन रही है।

इस बारिश में कई खतरनाक पदार्थ मौजूद होने की आशंका

विशेषज्ञों के अनुसार इस बारिश में कई खतरनाक पदार्थ मौजूद हो सकते हैं, जिनमें हाइड्रोकार्बन, बेहद महीन कण और पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन (PAHs) शामिल हैं। पीएएचएस ऐसे रसायन हैं जिन्हें कैंसरकारी माना जाता है।

इसके अलावा बारिश में अन्य कई अज्ञात रसायनों का मिश्रण भी हो सकता है। इनमें भारी धातुएं और अकार्बनिक यौगिक शामिल हो सकते हैं, जो विस्फोट में नष्ट हुई इमारतों, संरचनाओं और अन्य सामग्रियों से निकलते हैं। तेल डिपो में लगी आग से सल्फर डाइऑक्साइड और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें भी बड़ी मात्रा में निकलती हैं। ये गैसें हवा में रासायनिक प्रतिक्रिया करके सल्फ्यूरिक एसिड और नाइट्रिक एसिड बनाती हैं। जब ये एसिड बारिश की बूंदों में घुल जाते हैं, तो वही बारिश एसिड रेन कहलाती है।

मैंने ऐसा LoP देखा नहीं, नकली गांधी परिवार के अंतिम अबोध युवराज, राहुल पर बरसे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने एक बार फिर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष (LoP) पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस नेता पर करारा वार करते हुए कहा कि मैंने ऐसा नेता प्रतिपक्ष तो नहीं देखा। इनके पास कोई विजन नहीं है। सिर्फ अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करते हैं। राहुल को लेकर उन्होंने आगे कहा कि ये कांग्रेस के वही हैं जो मुगलिया सल्तनत के अंतिम बादशाह बहादुर शाह थे, ये नकली गांधी परिवार के अंतिम और अबोध युवराज है।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "राहुल गांधी को हम लोग समझते थे कि अबोध बालक हैं। क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, आप उनका इतिहास देख लीजिए। वह हर चीज में बैक करते हैं। नरवाणे में बैक कर गए। राफेल में बैक कर गए। हर चीज में वह बैक करते हैं। केवल एक चीज में वह अर्बन नक्सल की तरह पोज देंगे। मैं कांग्रेस को यह शुभकामनाएं देता हूं कि पार्टी उनके नेतृत्व में चलता रहे।"

नकली गांधी फैमिली के अंतिम बादशाह : गिरिराज

उन्होंने आगे कहा, "लेकिन जिस तरह से मुगलिया सल्तनत के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर हुए थे, उसी तरह अंतिम लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और बादशाह राहुल गांधी हैं नकली गांधी फैमिली की ओर से।"

लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए जा रहे अविश्वास प्रस्ताव पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, "ये क्या करेंगे। कुछ समझ में नहीं आता है। ऐसा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष किसी ने देखा नहीं। कोई विजन नहीं। केवल अर्बन नक्सल की तरह व्यवहार करना। आप एलओपी हैं और सदन को जानकारी देते हैं कि हम इस पर चर्चा चाहते हैं, वोटिंग चाहते हैं जो भी आप चाहते हो। आप क्यों भाग जाते हैं। इसलिए ये अर्बन नक्सल की भूमिका में हैं। मैं सही कह रहा हूं, ये कांग्रेस के लिए वही हैं जो मुगलिया सल्तनत के अंतिम बादशाह बहादुर शाह जफर था। ये नकली गांधी परिवार के अंतिम अबोध युवराज हैं।"

राहुल अनर्गल बयानबाजी कर रहे : सरावगी

गिरिराज सिंह की तरह बिहार में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने भी राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा, "राहुल जिस तरह से लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाए। वो बेनकाब हो गए हैं। पूरा देश यह देख रहा है। पश्चिम एशिया में युद्ध चल रहा है और इस समय में वे देश के खिलाफ अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं।"

कोविड वैक्सीन के दुष्प्रभाव पर 'सुप्रीम' निर्देश, केंद्र सरकार को मुआवजा नीति बनाने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। कोविड-19 वैक्सीन से जुड़े गंभीर दुष्प्रभावों के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बड़ा निर्देश दिया है। अदालत ने मंगलवार को कहा कि सरकार ऐसी नीति तैयार करे, जिसके तहत कोविड वैक्सीन लेने के बाद अगर किसी व्यक्ति को गंभीर नुकसान होता है तो उसे नो-फॉल्ट मुआवजा दिया जा सके।

यह फैसला जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण के बाद होने वाले दुष्प्रभावों की निगरानी के लिए जो मौजूदा व्यवस्था है, वही जारी रहेगी। इसके लिए किसी नए अदालत द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ पैनल की जरूरत नहीं है।

केंद्र सरकार से क्या बोला सुप्रीम कोर्ट

इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि अगर किसी व्यक्ति को वैक्सीन के कारण नुकसान हुआ है तो वह कानून के तहत उपलब्ध अन्य कानूनी रास्तों का भी इस्तेमाल कर सकता है। साथ ही कोर्ट ने कहा कि नो-फॉल्ट मुआवजा की नीति बनाना सरकार की गलती या जिम्मेदारी मानने के बराबर नहीं होगा।

अब समझिए क्या है पूरा मामला

दरअसल, अदालत में कई याचिकाएं दाखिल की गई थीं। इनमें एक याचिका में आरोप लगाया गया था कि साल 2021 में कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद दो महिलाओं की मौत हो गई थी। याचिका में कहा गया था कि दोनों को टीकाकरण के बाद गंभीर दुष्प्रभाव हुए थे। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को मुआवजे से जुड़ी नई नीति बनाने का निर्देश दिया है।

सनी देओल की फिल्म 'गबरू' की नई रिलीज डेट आई सामने, अब 8 मई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

सनी देओल इन दिनों अपनी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं जो 23 जनवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म के बाद सनी देओल के खाते में कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं जिनमें शशांक उदापुरकर की फिल्म 'गबरू' भी शामिल है। सनी देओल ने इस फिल्म का ऐलान पिछले साल किया था और साथ ही इसका मोशन पोस्टर भी शेयर किया था जिसने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी थी।

पहले 'गबरू' को 13 मार्च 2026 को रिलीज किया जाना था लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक सनी देओल की अगली थिएटर रिलीज 'गबरू' अब 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का निर्देशन शशांक उदापुरकर ने किया है जबकि इसे विशाल राणा और ओम छंगानी ने प्रोड्यूस किया है।

'गबरू' में सनी देओल एक मिडिल एज फैमिली मैन के किरदार में नजर आएंगे। कहानी एक ऐसे शख्स की है जिसकी जिंदगी अचानक आए कुछ हालात के बाद बदल जाती है। इन घटनाओं के जरिए वो खुद को दोबारा पहचानता है और जिंदगी को नए नजरिए से जीना सीखता है। ये रोल सनी देओल के अब तक के एक्शन इमेज से काफी अलग बताया जा रहा है।

नई रिलीज डेट के साथ 'गबरू' का मुकाबला बॉक्स ऑफिस पर अनन्या पांडे और लक्ष्य स्टारर फिल्म 'चांद मेरा दिल' से होगा जिसकी उसी दिन यानी 8 मई को रिलीज होने की उम्मीद है। वैरायटी इंडिया ने बताया की एक सूत्र की माने तो 'गबरू' सनी देओल के लिए सिर्फ एक और फिल्म नहीं बल्कि दिल से जुड़ी कहानी है जिसमें हिम्मत, पहचान और जज्बे जैसे मुद्दे दिखाए गए हैं।

हाल ही में सनी देओल ने भी कहा था कि 'गबरू' उनके दिल के बेहद करीब है। इस फिल्म में सनी देओल के साथ सिमरन और प्रीत कमानी भी अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म का म्यूजिक मिथुन ने दिया है जिसके बोल सईद कादरी, सतिंदर सरताज और अनुराग सैकिया ने लिखे हैं। 'गबरू' के बाद सनी देओल 'लाहौर 1947' में नजर आएंगे जो इस साल स्वतंत्रता दिवस वीकेंड पर रिलीज होगी। इसके अलावा वो नितेश तिवारी की मेगा फिल्म 'रामायण' और नेटफ्लिक्स की एक्शन थ्रिलर 'इक्का' में भी दिखाई देंगे ।

दो जी सिने अवॉर्ड मिलने पर बोलीं अनीत पड्डा, मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया

फिल्मी दुनिया में अक्सर हम कलाकारों की शानदार लाइफस्टाइल से आकर्षित होते रहते हैं। लेकिन इस शोहरत के पीछे उनकी मेहनत और संघर्ष होता है। इस कड़ी में अभिनेत्री अनीत पड्डा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता को दिया। दरअसल, उन्होंने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में दो बड़े अवॉर्ड्स जीते, जिसे उन्होंने अपने पिता को समर्पित किया।

अनीत पड्डा ने जी सिने अवॉर्ड्स 2026 में बेस्ट डेब्यू फीमेल का अवॉर्ड जीता। इसके साथ ही उन्हें व्यूअर्स चॉइस बेस्ट एक्ट्रेस का सम्मान भी मिला। स्टेज पर अवॉर्ड लेने पहुंची अनीत ने अपनी स्पीच में सबसे पहले अपने पिता का जिक्र किया और कहा, मैं इस जीत का श्रेय अपने पापा को देती हूं। यह पल मेरे जिंदगी के सबसे इमोशनल पलों में से एक है।

मैंने मेहनत से अपने पापा का सपना पूरा किया है। मेरे पापा भी एक्टर बनना चाहते थे, लेकिन किसी वजह से उनका यह सपना पूरा नहीं हो सका, लेकिन अब उनकी बेटी ने उनका यह सपना पूरा किया है। मैंने अपने पापा के इस सपने को जिया है। अनीत ने पंजाबी भाषा में अपने पापा से कहा, अब आपका सपना आपकी बेटी के जरिए पूरा हो गया है।

जब आप कहते थे कि मैं अपना सपना तुम्हारे जरिए जी रहा हूं, तो मुझे एहसास होता था कि मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने पापा के सपने को भी साकार कर रही हूं। स्पीच में अनीत पड्डा ने आगे कहा, मैं अपनी जिंदगी में कभी इतनी खुश नहीं हुई हूं। पापा, मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं और आपकी वजह से ही आज इस मुकाम पर हूं।

उन्होंने आगे फिल्मों को लेकर कहा, जब लोग फिल्मों और शोज में किसी कलाकार के अभिनय पर तालियां बजाते हैं, तो वह तालियां सिर्फ उस अभिनेता के लिए नहीं होतीं। असल में यह तालियां उस कहानी के लिए होती हैं जो स्क्रीन पर दिखाई जा रही होती है, और वह कहानी लोगों की जिंदगी और उनके अनुभवों से जुड़ी होती है। मुझे गर्व है कि मैं इन कहानियों और किरदारों का हिस्सा बनकर दर्शकों तक भावनाएं पहुंचा पा रही हूं।

विलाया थंडावम से कार्तिक राजू का दमदार फर्स्ट लुक जारी हुआ

सशक्त कथानक और अपरंपरागत विषयों वाली पटकथाओं को चुनकर, युवा नायक कार्तिक राजू धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बना रहे हैं। इसी शैली को अपनाते हुए, वे अब आगामी एक्शन से भरपूर फिल्म विलाया थंडावम में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इस हाई वोल्टेज थ्रिलर का निर्देशन वी.एस. वासु ने किया है। इस फिल्म में कार्तिक राजू के साथ पार्वती अरुण और पुष्पा फेम जगदीश भी अहम भूमिकाओं में हैं।

जीएमआर मूवी मेकर्स की यह पहली फिल्म है, जिसे मंडला धर्म राव और गुम्पु भास्कर राव द्वारा निर्मित किया जा रहा है। गौरतलब है कि दशहरा उत्सव के दौरान जारी किए गए टाइटल पोस्टर ने काफी हलचल मचाई और दर्शकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

बढ़ती उत्सुकता को और बढ़ाते हुए, निर्माताओं ने क्रिसमस के विशेष उपहार के रूप में फिल्म का पहला लुक पोस्टर जारी किया है। यह आकर्षक पोस्टर ऊर्जा से भरपूर है, जो ज़बरदस्त एक्शन और एक दमदार कहानी का संकेत देता है। चारों ओर आग की लपटें फैली हैं, जले हुए अवशेष बिखरे पड़े हैं, पास में एक टूटा हुआ फोटो फ्रेम पड़ा है, और नायक के हाथ पर आग की लपटें उठ रही हैं। सिर पर पट्टी बांधे और दृढ़ निश्चय से भरी निगाहों के साथ, कार्तिक राजू आक्रामक और प्रभावशाली अवतार में नज़र आते हैं, जो साहस और क्रोध से ओतप्रोत एक किरदार का वादा करते हैं।

अखिल भारतीय रिलीज के लिए बनाई जा रही फिल्म विलाया थंडावम की शूटिंग तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में प्रोडक्शन टीम से और अधिक अपडेट मिलने की उम्मीद है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित ।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com